दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

अब तेलुगु में भी गूंजेगी छावा की दहाड़ ...8

सिद्धार्थनगर
शुक्रवार, 28 फरवरी 2025
वर्षः 12 अंकः 75 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी ने सफाईकर्मियों को दिया बड़ा तोहफा

10 हजार रुपये के बोनस का ऐलान, अप्रैल से खाते में आएंगे पैसे

प्रयागराज। 45 दिनों तक चले महाकुंभ के समापन के बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रयागराज में महाकुंभ में स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मचारियों को 10,000 रुपये का बोनस देने की घोषणा की। उन्होंने आगे कहा कि यूपी सरकार यह सुनिश्चित करने जा रही है कि अप्रैल से सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन 16,000 रुपये प्रदान किया जाएगा और अस्थायी स्वास्थ्य कर्मचारियों को सीधे बैंक हस्तांतरण दिया जाएगा और उन सभी को स्वास्थ्य कवरेज के लिए आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा।

योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रयागराज में महाकुंभ में सफाई और स्वास्थ्य कर्मियों को 10,000 रुपये का बोनस देने का फैसला किया है। हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि अप्रैल से सफाई कर्मियों को 16,000 रुपये का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा। अस्थायी स्वास्थ्य कर्मियों को सीधे बैंक हस्तांतरण दिया जाएगा और उन सभी को स्वास्थ्य कवरेज के लिए आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा, जिससे बेहतर कल्याण और सहायता सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान योजना से जोड़कर सभी कर्मचारियों को जन आरोग्य बीमा का लाभ मिलेगा। योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन में उनकी भूमिका के लिए प्रयागराज में स्वच्छता और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया, स्वच्छ कुंभ कोष और आयुष्मान योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरित किए और बाद में उनके प्रयासों को स्वीकार करने के लिए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के साथ दोपहर के भोजन में शामिल हुए।

इससे पहले दिन में सीएम योगी और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने प्रयागराज के अरैल घाट पर सफाई अभियान में भाग लिया।

246 हथियार, जूते-हेलमेट... राज्यपाल की सख्ती के बाद मणिपुर में मैतेई ग्रुप ने सरेंडर किया लूटा हुआ सामान

इंफाल। मणिपुर में एक मैतेई समूह अरामबाई टेंगोल के सदस्यों ने गुरुवार को राज्य सरकार को अपने हथियार सौंप दिए। यह कदम राज्य के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला द्वारा मणिपुर में लंबे समय से चली आ रही जातीय हिंसा को समाप्त करने के प्रयासों के तहत सात दिनों के भीतर सभी समुदायों को स्वेच्छा से लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियार और गोला-बारूद को आत्मसमर्पण करने के लिए कहने के कुछ दिनों बाद आया है।

सोशल मीडिया पर सामने आए दृश्यों में मैतेई समूह के सदस्यों को पिकअप ट्रकों के बेड़े में हथियार और गोला-बारूद ले जाते हुए दिखाया गया है। बताया जा रहा है कि समूह ने 246 हथियार सरेंडर कर दिए हैं। हथियारों के अलावा उन्होंने बुलेटप्रूफ जैकेट, हेलमेट, जूते, वर्दी और दंगों के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली जैकेट भी सरेंडर की हैं। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य की जनता से अपील की थी कि वे लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को स्वेच्छा से सात दिनों के भीतर पुलिस को सौंप दें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया था कि इस अवधि में हथियार सौंपने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। अरामबाई तेंगोल के जनसंपर्क अधिकारी रॉबिन मंगांग ख्वायरकपम ने कहा कि भल्ला ने हमसे अवैध रूप से रखे गए हथियारों को सरेंडर करने का भी अनुरोध किया। हमने कुछ नियम और शर्तें रखीं और उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर शर्तें पूरी हुईं तो हथियार सरेंडर कर दिए जाएंगे। अरामबाई तेंगोल ने भल्ला को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें म्यांमार के साथ सीमा पर बाड़ लगाने, कट-ऑफ के रूप में 1951 के साथ राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लागू करने, अवैध प्रवासियों के निर्वासन, कुकी समूहों के खिलाफ अभियानों के निलंबन के समझौते को रद्द करने आदि की मांग की गई।

नीतीश ने 7 नए मंत्रियों को आवंटित किए पोर्टफोलियो, जीतनराम मांझी के बेटे से वापस लिया एक मंत्रालय

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया और नए मंत्रियों को नए विभाग आवंटित किए। संजय सरावगी, सुनील कुमार, जिबेश मिश्रा, मोतीलाल प्रसाद, कृष्ण कुमार मंटू, राजू कुमार सिंह और विजय कुमार मंडल सहित सात भाजपा विधायकों ने बुधवार को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी के बेटे संतोष सुमन से एक विभाग वापस लिया गया है।

दरअसल, पहले सूचना प्रौद्योगिकी विभाग संतोष सुमन के पास था जो अब कृष्ण कुमार मंटू को दे दिया गया है। संतोष सुमन के पास अब केवल लघु जल संसाधन विभाग बचा है। संजय सरावगी को राजस्व एवं भूमि, सुनील कुमार को वन एवं पर्यावरण, विजय मंडल को आपदा प्रबंधन, कृष्णा कुमार मंटू- आईटी, मोतीलाल प्रसाद- कला संस्कृति, राजू सिंह-पर्यटन और जीबेश मिश्रा को शहरी विकास की जिम्मेदारी दी गई है। कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल - सड़क निर्माण का काम विजय सिन्हा से लेकर नितिन नवीन को दिया गया है। कृषि विभाग मंगल पांडे से लेकर विजय सिन्हा को दे दिया गया है। कानून की कमान नितिन नवीन से लेकर मंगल पांडे को दी गई है। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा से दो मंत्रालय पथ निर्माण और कला संस्कृति विभाग छीन लिया गया, सड़क निर्माण का जिम्मा नितिन नवीन को दिया गया तो कला संस्कृति का जिम्मा नये मंत्री मोतीलाल प्रसाद को दिया गया। नितिन नवीन के पास पहले शहरी विकास था, अब वह मंत्रालय नए मंत्री जीवेश मिश्रा को दिया गया है। नितिन नवीन को पथ निर्माण विभाग दिया गया है।

हरियाणा में कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई

पूर्व एमएलए रामबीर सिंह समेत 5 नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस इकाई ने गुरुवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पांच नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान द्वारा जारी पार्टी आदेश में कहा गया है कि नगर निगम चुनाव (2025) की चल रही प्रक्रिया के दौरान हाल के दिनों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले पार्टी नेताओं/कार्यकर्ताओं से संबंधित संचार के विभिन्न माध्यमों से रिपोर्ट प्राप्त होने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाता है। जिन लोगों को निष्कासित किया गया है उनमें पूर्व विधायक रामबीर सिंह भी शामिल हैं। चार अन्य नेता विजय कौशिक, राहुल चौधरी, पूजा रानी और रुपेश मलिक हैं। इसमें कहा गया कि यह आदेश हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के परामर्श से जारी किया गया था।

19 फरवरी को, हरियाणा कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले नागरिक चुनावों से पहले "पार्टी विरोधी" गतिविधियों के लिए अपने सात नेताओं को निष्कासित कर दिया। निष्कासित लोगों में करनाल के पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष त्रिलोचन सिंह और अशोक खुराना, यमुनानगर के पार्टी नेता प्रदीप चौधरी और मधु चौधरी, हिसार के वरिष्ठ नेता राम निवास रारा, गुरुग्राम के पार्टी नेता हरविंदर और पीसीसी प्रतिनिधि, गुरुग्राम, राम किशन सैन शामिल हैं। रारा और सिंह हाल ही में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हुए थे। रारा ने पिछला विधानसभा चुनाव असफल रूप से लड़ा था जबकि सिंह 2019 के विधानसभा चुनाव में करनाल विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से हार गए थे। मई 2024 में इस सीट पर हुए विधानसभा उपचुनाव में वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से हार गए।

ममता ने बीजेपी पर लगाया फर्जी वोटर कार्ड बनवाने का आरोप

बोलीं- बाहरी लोगों को बंगाल पर कब्जा नहीं करने देंगे

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की विस्तारित संगठनात्मक बैठक गुरुवार हुई, जहां पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति का खाका तैयार किया गया। इस दौरान ममता बनर्जी ने भाजपा पर जमकर वार किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि हम उन फर्जी मतदाताओं की पहचान करेंगे, जिन्हें भाजपा की मदद से पंजीकृत किया गया है। ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने पर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा निर्वाचन आयोग को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि हम बाहरी लोगों को बंगाल पर कब्जा नहीं करने देंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने हरियाणा, गुजरात के नकली मतदाताओं का नामांकन कराकर दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव जीते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं को हटाने की मांग को लेकर निर्वाचन आयोग कार्यालय के समक्ष धरना देंगे। एक अन्य घटनाक्रम में टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया कि पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के साथ उनके मतभेद हैं और उनके प्रति अपनी वफादारी की पुष्टि की। उन्होंने कोलकाता में एक पार्टी सम्मेलन में कहा, "मैं टीएमसी का एक वफादार सिपाही हूं और मेरी नेता ममता बनर्जी हैं।" उन्होंने भाजपा में शामिल होने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, "कुछ लोग कह रहे हैं कि मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं, वे अफवाह फैला रहे हैं।" उन्होंने कहा, "मैं उन लोगों को जानता हूं जो ऐसी फर्जी खबरें फैला रहे हैं।" अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उनके निहित स्वार्थ हैं। डायमंड हार्बर सांसद ने यह भी कहा कि वह "पार्टी के भीतर गद्दारों को बेनकाब करना जारी रखेंगे, जैसा कि उन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान किया था।"

अखिलेश यादव ने शेयर बाजार में गिरावट के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारत के शेयर बाजारों में हाल में आई गिरावट के लिए विदेशी निवेशकों द्वारा पैसा निकालने को जिम्मेदार ठहराया और तर्क दिया कि यह भाजपा नीत सरकार के तहत देश की अर्थव्यवस्था में विश्वास की कमी को दर्शाता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यादव ने कहा, "देश के शेयर बाजार के लगातार गिरने का कारण यदि विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार से पैसा निकालना है, तो ये दर्शाता है कि विदेशी निवेशकों का भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था से भरोसा उठ गया है।" उन्होंने कहा, "निवेश को आकर्षित करने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किया जाना निरर्थक अपव्यय है। इसका एक अर्थ ये भी निकलता है कि स्थानीय उद्योग, उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।" सपा नेता ने कहा, "जनता के हाथों में पैसों की बेहद कमी है, जिसके कारण आंतरिक मांग लगातार घट रही है और कंपनियों का मुनाफा भी। कंपनियों के मुनाफे में से भाजपा सरकार की चंदा वसूली भी भारतीय बाजार को हतोत्साहित कर रही है, जिसका नकारात्मक असर शेयर बाजार पर पड़ रहा है।" उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि "निवेशक कहें आज का, नहीं चाहिए भाजपा।"

पुणे बलात्कार मामलाः पुलिस ने आरोपी का पोस्टर जारी किया

सूचना देने वाले को एक लाख का इनाम

पुणे पुलिस ने स्वारगेट बस डिपो में 26 वर्षीय महिला के साथ कथित बलात्कार मामले में वांछित आरोपी का पोस्टर जारी किया है, इस घटना से शहर में आक्रोश फैल गया है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, पुलिस ने आरोपी की जानकारी देने पर 1 लाख का इनाम भी घोषित किया है, जिसकी पहचान दत्तात्रेय रामदास गाडे के रूप में हुई है। पोस्टर में उल्लेख किया गया है कि आरोपी के खिलाफ धारा 64, 351(2) 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पोस्टर में कहा गया है, धारा 64, 351(2) 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है और उक्त मामले में आरोपी का नाम दत्तात्रेय रामदास गाडे, उम्र 37 वर्ष, निवासी गुनाट टी. शिरूर, जिला पुणे है और वह पंजीकृत अपराध में वांछित आरोपी है। इसमें आगे कहा गया है, "आरोपी दत्तात्रेय गाडे के बारे में सूचना देने पर 1,00,000/- (एक लाख रुपये) का इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।" घर जाने के लिए बस का इंतजार कर रही 26 वर्षीय महिला के साथ पुणे के स्वर्गेट बस डिपो में खड़ी शिवशाही बस में एक व्यक्ति ने बलात्कार किया। संदिग्ध ने उसे डिपो में खड़ी राज्य परिवहन निगम की शिवशाही बस में चढ़ने के लिए कहा, उसका पीछा करते हुए बस में चढ़ गया और उसके साथ बलात्कार किया।

दिल्ली का नजफगढ़ क्या हो जाएगा नाहर सिंह गढ़?

विधानसभा में बीजेपी एमएमल की मांग पर बजीं तालियां

नई दिल्ली। नजफगढ़ का नाम बदलकर नाहरगढ़ करने की मांग शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायक नीलम पहलवान ने उठाई, जिन्होंने प्रस्तावित बदलाव के लिए ऐतिहासिक कारणों का हवाला दिया। विधानसभा में बोलते हुए, पहलवान ने कहा कि 1857 के विद्रोह के दौरान, राजा नाहर सिंह ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और नजफगढ़ क्षेत्र को दिल्ली के क्षेत्र में शामिल कर लिया। पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा सहित कई प्रयासों के बावजूद, हम नजफगढ़ का नाम बदलकर "नाहरगढ़" करने की वकालत कर रहे हैं। उनकी मांग पर साथी विधायकों ने अपना समर्थन भी दिखाया। आपको बता दें कि दिल्ली की नजफगढ़ विधान सभा सीट पर आप के उम्मीदवार और मौजूदा विधायक, तरुण कुमार, भाजपा के उम्मीदवार और पूर्व पार्षद, नीलम पहलवान और कांग्रेस के उम्मीदवार और पूर्व विधायक, सुषमा यादव के बीच त्रिकोणीय टक्कर देखी जा रही है। क्षेत्र

के राजनीतिक महत्व और विविध मतदाता आधार के कारण यह चुनाव महत्वपूर्ण है, जो इसे 2025 के चुनावों में एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता बनाता है। बीजेपी की नीलम पहलवान ने आप के तरुण कुमार को 29009 वोटों के अंतर से हराया। दिल्ली में बीजेपी नेताओं के बीच इलाकों का नाम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है, मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करने के बाद, वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह बिष्ट ने घोषणा की कि आधिकारिक तौर पर पदभार संभालने के बाद वह मुस्तफाबाद का नाम बदलकर "शिव पुरी" या "शिव विहार" कर देंगे। उन्होंने कहा था कि मैं इलाके का नाम मुस्तफाबाद से बदलकर शिव पुरी या शिव विहार कर दूंगा, मैंने यह पहले भी कहा है, मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि राजनीतिक दल मुस्तफाबाद नाम बरकरार रखने पर क्यों अड़े हुए हैं। मुख्य रूप से हिंदू आबादी वाले क्षेत्र का नाम शिव पुरी या शिव विहार क्यों नहीं रखा जा सकता? लोग "मुस्तफाबाद" नाम से परेशान हैं और इसे बदला जाना चाहिए। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि ऐसा हो। वहीं, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) आतिशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों को सदन की कार्यवाही से तीन दिनों के लिए निलंबित करने के बाद उन्हें दिल्ली विधानसभा परिसर में प्रवेश करने से रोका जा रहा है। आतिशी ने कहा कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) वालों ने सरकार में आते ही 'तानाशाही की हदें पार कर दीं।'

सीतारमण एक मार्च को सिविल लेखा दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक मार्च को 49वें सिविल लेखा दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगी। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) पर 'भारत में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन का डिजिटलीकरणः परिवर्तनकारी दशक (2014-24)' शीर्षक से एक सार-संग्रह भी जारी किया जाएगा।

पीएफएमएस, लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के संगठन द्वारा डिजाइन, विकसित और क्रियान्वित किया गया है। यह भुगतान, रसीद, लेखांकन, नकदी प्रबंधन और वित्तीय रिपोर्टिंग सहित सरकार के वित्तीय प्रशासन के लिए प्रमुख आईटी मंच है। सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली ने सरकार के प्रमुख सार्वजनिक व्यय प्रबंधन सुधारों में से एक, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के संचालन के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रदान किया है। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया 'वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतः अगला दशक' विषय पर अपने विचार रखेंगे। सार्वजनिक वित्तीय प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सुधार के बाद 1976 में भारतीय सिविल लेखा सेवा (आईसीएएस) की स्थापना की गई थी।

पुलिस ने डिजिटल वॉरियर्स कार्यशाला" का किया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश
मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। पुलिस मुख्यालय लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा डिजिटल वारियर्स/साइबर जागरूकता में चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सिद्धार्थ के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण एवं थाना प्रभारी मिश्रौलिया हरिओम कुशवाहा के नेतृत्व में उप निरीक्षक रामदरश यादव व मुख्य आरक्षी मंकज दूबे द्वारा डिजिटल वारियर्स/साइबर जागरूकता के तहत थाना मिश्रौलिया के 'चांद गर्ल्स डिग्री कालेज, टेडवा ग्रान्ट जनपद सिद्धार्थनगर में शिक्षकों व विद्यार्थियों की उपस्थिति में डिजिटल वारियर्स कार्यशाला का आयोजन कर अध्यापकगण एवं छात्र/छात्राओं को डिजिटल वारियर्स बनाया गया। यही डिजिटल वारियर्स के कार्यों जैसे अफवाहों को रोकना, सोशल मीडिया पर ऐसे फेक न्यूज जो साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ते हैं उनको शेयर न करना, सोशल मीडिया के किसी भी सूचना को बिना जाने समझे शेयर ना करना, पुलिस के कार्यों को प्रोत्साहित करना आदि। युवाओं को साइबर अपराध से बचने व भ्रामक जानकारी से बचाव हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान डिजिटल वॉरियर के अंतर्गत फेक न्यूज, साइबर क्राइम की पहचान, इसके प्रभाव, तथ्य गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा साइबर जागरूकता हेतु साइबर दोस्त नाम से संचालित किये जा रहे ट्विटर, फेसबुक एवं इंस्टाग्राम अकाउन्ट एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के अकाउंट /स्वदसपबम, साइबर हेल्पलाइन नंबर-1930 के बारे में जागरूक किया गया। यही साइबर अपराध को रोकने के लिए साइबर अपराध से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया और समाज में साइबर अपराध सम्बन्ध में जागरूकता अभियान चलाने हेतु उनके कर्तव्यों से भी अवगत कराया गया। अध्यापक शिवराम पाण्डेय पुत्र सत्यनारायण पाण्डेय अध्यापक चांद गर्ल्स डिग्री कॉलेज टेडवा ग्रान्ट थाना मिश्रौलिया जनपद सिद्धार्थनगर को साइबर क्लब के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

श्रीमद्भागवत कथा सुनकर आरती होते ही धुंधकारी प्रेत से मिलती है मुक्ति : राधेश्याम महाराज जी

दैनिक बुद्ध का संदेश
मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत विकास खण्ड बांसी के ग्राम पंचायत संग्रामपुर में श्रीमद्भागवत भागवत कथा का आयोजन पवन पुत्र बुन्देश के घर पर हो रहा है। यहीं आयोजन मंगलवार से आरम्भ होकर नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत का आयोजन सुनिश्चित हुआ है। पण्डित राधेश्याम जी महाराज, ओम प्रकाश एवं हरिहर पंडित ने सभी यजमान को सूर्य पूजा करके मण्डप में प्रवेश करने बाद सभी देवी देवताओं का आह्वान कर पूजा अर्चना किया। वहीं देर सायंकाल में कथाव्यास जी पूज्या पण्डित राधेश्याम जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के गौकरन एवं धुंधकारी दोनों भाईयों की चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि दोनों एक ही माता-पिता के पुत्र होते हुए भी दोनों का संगत के अन्तर से दोनों लोगों में एक पूरब है तो एक पश्चिम है। एक पूजा पाठ करके शिक्षा ग्रहण करके ज्ञानी विद्वान बने और वहीं दूसरा गलत संगत से जुआरी शराबी व गलत व्याभिचारी होता है। लाख गलती के बाद भी शिक्षित ज्ञानी भाई अपने भाई के गलत कार्य को सही दिशा दिखाने का राय देते हैं। यहीं धुंधकारी के मुक्ति के लिए गौकरन जी श्रीमद्भागवत कथा का सुनाने का आयोजन करने लगे। श्रीमद्भागवत कथा सुनकर आरती होते ही धुंधकारी प्रेत से मुक्ति मिलती है। श्रीमद्भागवत कथा का निरन्तर (तीन दिन) का कथा हुआ। शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव वर्णन किया जायेगा। कथा के दौरान उपस्थित रहे मुख्य मुख्य यजमान बुन्देश, राजकुमार, पवन कुमार, राम कुमार, शिवकुमार, सतीश गुप्ता, राधेश्याम निषाद, सचिन, अकाश, अभिषेक, आशीष, ऋषि, पदारथ, रामू निषाद, हरगोविन्द, मनोज डॉक्टर, रोहित, बहादुर ग्राम प्रधान चन्द्रशेखर चौधरी (नेरल), दिलीप जयसवाल, ज्ञान सुन्दर जायसवाल आदि सहित तमाम भक्त गण लोग उपस्थित रहें।

शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में "डिजिटल वॉरियर्स कार्यशाला" का किया आयोजन

अध्यापकगण एवं छात्राओं को डिजिटल वॉरियर्स बनने के लिए प्रशिक्षित/प्रेरित कर साइबर क्राइम के बारें में किया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर। पुलिस मुख्यालय लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा डिजिटल वारियर्स/साइबर जागरूकता में चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सिद्धार्थ के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ बृजेश कुमार वर्मा के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ चिन्तेश्वरमणि त्रिपाठी के नेतृत्व में उप निरीक्षक अशोक कुमार व आरक्षी रूद्र प्रताप यादव, महिला आरक्षी रुबी दूबे द्वारा डिजिटल वारियर्स/साइबर जागरूकता के तहत थाना शोहरतगढ़ क्षेत्रान्तर्गत 'शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय' में शिक्षकों व विद्यार्थियों के उपस्थिति में डिजिटल वारियर्स कार्यशाला का आयोजन कर अध्यापकगण एवं छात्र/छात्राओं को डिजिटल वारियर्स बनाया गया। इस दौरान डिजिटल वारियर्स के कार्यों जैसे अफवाहों को रोकना, सोशल मीडिया पर ऐसे फेक न्यूज जो साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ते हैं उनको शेयर न करना, सोशल मीडिया के किसी भी सूचना को बिना जाने समझे शेयर ना करना, पुलिस के कार्यों को प्रोत्साहित करना आदि। युवाओं को साइबर अपराध से बचने व भ्रामक जानकारी से बचाव हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान डिजिटल वॉरियर के अन्तर्गत फेक न्यूज, साइबर क्राइम की पहचान, इसके प्रभाव, तथ्य, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा साइबर जागरूकता हेतु साइबर दोस्त नाम से संचालित किये जा रहे ट्विटर, फेसबुक एवं इंस्टाग्राम अकाउंट एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के अकाउन्ट /स्वदसपबम, साइबर हेल्पलाइन नंबर-1930 के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध को रोकने के लिए साइबर अपराध से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया। वहीं समाज में साइबर अपराध सम्बन्ध में जागरूकता अभियान चलाने हेतु उनके कर्तव्यों से भी अवगत कराया गया।

बोदरवार नगर में महादेव बारात के लगे जयकारे व भव्य भण्डारे का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश
कुशीनगर/बोदरवार। बोदरवार नगर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ग्रामसभा द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाला गया शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया जो महादेव का गुणगान करते हुए नगर के प्रमुख सड़कों से गुजरे। यात्रा के दौरान महादेव की झांकी बनाई गई थी शोभायात्रा के साथ हजारों महिला, पुरुष व बच्चे भजन कीर्तन करते हुए शोभायात्रा बीच नगर में मुख्य सड़क पर स्थित शिव मंदिर से प्रारम्भ होकर रामलीला मैदान होते हुए माँ सम्मे स्थान से होकर वापस आकर माँ काली स्थान पर सजे आदिशक्ति माँ पार्वती के झांकी के पास पहुंचकर वहां विधिविधान के साथ पुरोहित द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ शिव पार्वती विवाह संपन्न हुआ। तत्पश्चात माँ काली स्थान पर विशाल भंडारे का आयोजन था सभी शिव भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किये। इस पुरे यात्रा के दौरान बोदरवार चौकी इंचार्ज अपने फोर्समय के साथ अन्त तक उपस्थित रहे। इस क्रम में ग्रामप्रधान राजकमल गुप्त, पूर्व प्रधान श्रीनिवास गुप्त आयोजक शिवकुमार, दिनेश गुप्त, राकेश गुप्त, अनिल पटेल, संदीप मोदनवाल, राजन गुप्त व सैकड़ों सम्रांत व्यक्ति शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे।

हर एक आपराधिक मामलों की करें डिजिटल विवेचना: डीआईजी

☞ महिला अपराध से संबंधी मामलों में वांछितों की हो शत प्रतिशत गिरफ्तारी

☞ सिद्धार्थनगर व संतकबीरनगर में रिक्त चौकीदारों के पद जल्द भरे जाए

बस्ती। पुलिस उपमहानिरीक्षक दिनेश कुमार पी. ने कहा कि संगीन आपराधिक मामलों की विवेचना ई-साक्ष्य एप पर विवेचक द्वारा निरीक्षण घटनास्थल का फोटो,वीडियो, बरामदगी, गिरफ्तारी तत्काल अपलोड कराया जाए। नए कानून के तहत विवेचना में लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीआइजी रेंज गुरुवार को परिक्षेत्र के बस्ती, संतकबीरनगर व सिद्धार्थनगर जिले की कानून-व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। कहा कि लंबित हत्या के अभियोगों का गुण-दोष के आधार पर यथाशीघ्र निस्तारण कराया जाए। लूट, डकैती, दहेज हत्या, फिरौती हेतु अपहरण, गृहभेदन एवं कातिलाना हमले के केस में आरोपितों की गिरफ्तारी कराकर नियमानुसार उसका निस्तारण कराया जाए। उनके विरुद्ध प्रभावी पैरवी कराकर सजा करायी जाए। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने कहा कि महिला संबंधी अपराध, दुष्कर्म, शीलभंग, अपहरण,पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तों की शत प्रतिशत गिरफ्तारी हो। नियमानुसार निरोधात्मक कार्रवाई की जाए। वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी व लम्बित अभियोगों के विवेचना के निस्तारण हेतु विशेष अभियान चलाया जाये। दलित उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरण में साक्ष्य के आधार पर विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए। पुलिस से जुड़े धारा 14(1) व 14 (2) के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का निस्तारण यथाशीघ्र कराया जाए। लंबित प्रारंभिक जांचों का निस्तारण यथाशीघ्र हो। लंबित मृतक आश्रित के सेवायोजन से संबंधित प्रकरण व स्वजन के लंबित पेंशन प्रकरण का निस्तारण तत्काल कराएं। वर्षा शेड कराया जाये। सभी पुलिस अधिकारी कर्मचारियों का कैशलेस हेल्थ कार्ड एवं परिचय पत्र शत प्रतिशत बनवाया जाए। रेंज के सिद्धार्थनगर व संतकबीरनगर में रिक्त ग्राम चौकीदारों के पदों का भरा जाए। आपरेशन त्रिनेत्र व दृष्टि के तहत सीसी कैमरों के लाभ के बारे में जनता में जागरूकता करें। अधिक से अधिक कैमरे स्थापित कराया जाए। डाटा पोर्टल पर अपलोड कराए। आपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित मुकदमों में प्रभावी पैरवी कराकर अधिक से अधिक सजा कराई जाए। पुलिस पेंशनर की गोष्ठी प्रत्येक दो माह में कम से कम एक बार अवश्य हो। रेंज की क्राइम मीटिंग में एसपी संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता, एसपी सिद्धार्थनगर डा. अभिषेक महाजन, प्रभारी एसपी बस्ती ओपी सिंह व परिक्षेत्र कार्यालय के समस्त शाखाओं के प्रभारी व मीडिया सेल इंचार्ज निरीक्षक वीर बहादुर यादव मौजूद रहे।

सामूहिक रुद्राभिषेक में उमड़ी श्रद्धा

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। लोक मंगल की भावना से सनातन धर्म चेतना चौरिटेबल

ट्रस्ट रजि० द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर विशाल मंगल उत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन श्री सिद्धेश्वर शिव मंदिर निकट अमहट कुआनो नदी के तट पर आयोजित हुआ। जिसमें विशेष रूप से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक पार्थिव शिव पूजन एवं रुद्राभिषेक किया गया। अयोध्या से आये आचार्य विजय शास्त्री एवं उनके सहयोगी वैदिक ब्राह्मणों ने आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया। ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश मिश्र ने आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मंगल उत्सव में विशेष रूप से अरुण मास्टी, महेंद्र सिंह, सौरभ कुमार बोस, मनोज यादव, अपूर्व शुक्ल, अनुप मिश्रा, सौरभ मिश्र, महेंद्र तिवारी, राजेश चित्रगुप्त, अविनाश श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

जिले में 500 हेक्टेयर क्षेत्रफल आम पेड़ पर आए बौर, अच्छी पैदावार की उम्मीद

बस्ती। आम के पेड़ों पर बौर लगने से किसानों में खुशी है। इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद है। पिछले वर्ष आम की फसल खराब थी। इस बार नीलम,अंबिका, दशहरी, मल्लिका, लंगड़ा, आम्रपाली के साथ ही देशी आम के पेड़ों पर भी अच्छे बौर आए हैं। उद्यान विभाग ने एडवाइजरी जारी कर किसानों को भुनगा कीट, झुलसा व अन्य लगने वाली रोग से सावधान किया है। विभाग की ओर से भी कंपनीबाग स्थित उद्यान विभाग के आम के बाग में इंडो-इजराइल की संयुक्त प्रोग्राम के तहत रिसर्च किए विभिन्न किस्म के लगाए गए आम पेड़ों पर भी बौर आ चुके हैं। आम के बौर को बचाए रखने के लिए विभाग के कृषि वैज्ञानिक के देखरेख में दवा का छिड़काव करके जरूरी उपाय अभी से किए जा रहे हैं। इस बार आम के पेड़ों पर काफी अच्छे बौर आए हैं। इनको रोगों से बचाने की चुनौती है। दवा का छिड़काव किया जा रहा है। रोगों से बचने के बाद आम की फसल को मौसम की मार से बचाना बचाना होगा। आंधी, तूफान आने से कई बार फसलें बर्बाद हो जाती हैं। इस साल मौसम ने साथ दिया और फल बच गए तो आम की अच्छी पैदावार होगी।

50 हजार की इनामिया दंपती की चल-अचल संपत्ति होगी कुर्क

बस्ती। मां-बेटी की हत्या के मामले में करीब तीन महीने से फरार चल रहे 50 हजार के इनामिया दंपती की चल-अचल संपत्ति जल्द ही कुर्क कर दी जाएगी। इसकी प्रक्रिया आरंभ हो गई है।

संपत्ति की कुर्की की नोटिस के करीब 40 दिन के बाद अदालत के आदेश की अवमानना किए जाने पर फरार कौशल चन्द्र पुत्र कमलेश उपाध्याय उर्फ विलायर व उसकी पत्नी रंजना उर्फ मालती पत्नी कौशल चन्द्र निवासी ग्राम सेठा थाना कप्तानगंज पर मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र नाथ मिश्र ने स्वयं कप्तानगंज थाने में ही आपराधिक मुकदमा दर्ज कराया है। अब इस केस बाद कोर्ट के आदेश पर चल-अचल संपत्ति की कुर्की कर दी जाएगी। मालूम हो कि पुलिस ने अदालत के आदेश फरार चल रहे मुल्जिमों पर गिरफ्तारी का दबाव बनाने के लिए कोर्ट से कुर्की की नोटिस 17 जनवरी को 25 को प्राप्त की थी अगले दिन 18 फरवरी को आरोपित दंपत्ति के घर पर नोटिस चस्पा कर दी थी। इस नोटिस के बाद भी दंपती का कुछ पता पुलिस नहीं लगा सकी अब इनकी चल व अचल संपत्ति की कुर्की का आदेश प्राप्त करने की तैयारी में पुलिस जुटी हुई है।

वो मामला जिसमें दंपती पर इनाम घोषित हुआ जिले के कप्तानगंज थानाक्षेत्र के सेठा गांव में संपत्ति के विवाद को लेकर अपनों ने ही मां-बेटी की तीन दिसंबर 2024 को पहले हत्या कर दी थी, फिर दोनों के शव को उसी घर में जला दिया था। कमरे में मां 55 वर्षीय गोदावरी व उसकी बेटी 24 वर्षीय सौम्या का बुरी तरह जला हुआ शव मिला था। घटना के वर्कआउट के स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच, एसओजी (स्पेशल आपरेशन ग्रुप), सर्विलांस व स्वाट टीम को लगाया गया था। मृतका की बड़ी बेटी की तहरीर पर उसके बड़े पिता विलायर, सगे,सौतेले व चचेरे भाई, भाभी व चाची को आरोपित बनाया गया था। इस केस में चचेरे भाई व भाभी अभी भी फरार चल रहे हैं। इनके उपर अलग-अलग 50-50 हजार का इनाम घोषित है। अदालत में अब इनकी चल-अचल संपत्ति की कुर्की के आदेश की प्रक्रिया विचाराधीन है।

पति ने गांव की जमीन पत्नी व बेटी के नाम कर दी थी

मृतका गोदावरी के पति अवधेश उपाध्याय ने अपने जीवनकाल में ही अपनी जमीन को गोदावरी व सौम्या के नाम कर दी थी। इसी बात को लेकर उसके जेठ, सगे व सौतेले बेटे रंजिश रखते थे। जमीन का विवाद कोर्ट में विचाराधीन चल रहा है।

महाकुंभ में गायब वृद्ध को पुलिस ने स्वजन से मिलाया

बस्ती। दुबौलिया पुलिस ने कुंभ मेला प्रयागराज से गायब हुए वृद्ध को उसके स्वजन से मिलाया। थानाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह ने बताया कि रानीपुर लाद गांव के कालर रामभरन ने उन्हें फोन कर बताया कि एक अज्ञात वृद्ध मिले हैं जो अपने बारे में कुछ बता नहीं पा रहे हैं। उन्हें थाने पर लाया गया। काफी दिन से भूखे लग रहे थे। भोजन कराने के उपरान्त उनसे जानकारी की गई तो उन्होंने अपना नाम फेंकूकान्तु शाहू निवासी डण्डई थाना डंडई जिला गढ़वा, झारखंड बताया । जिस पर थाना डंडई जिला गढ़वा झारखण्ड के थाना प्रभारी के माध्यम से वार्ता कर उनके स्वजन को जानकारी दी गई। इत्तेफाक से उनके स्वजन तलाश करते हुए अयोध्या में आए थे। उन्हें सूचित किया वह लोग अपने बुजुर्ग को पाकर निहाल हो गए। स्थानीय पुलिस के पहल पुलिस की सराहना की। थानेदार का आभार जताया।

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर पर हुआ भंडारे का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बहेरिया में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर श्री राम चरित्र मानस पाठ का आयोजन हुआ। अखंड रामायण पाठ के समापन के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे परसपुर, धनुका डीह उर्फ हजिरवा, सोनखर समेत कई गाँव के लोगों ने भंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा सेक्टर संयोजक राम बिहारी,मंडल उपाध्यक्ष नकेश्वर पाण्डेय, पूर्व प्रधान लवकुश पाण्डेय, पंकज, भोला, रणजीत गुप्ता, राम उजागिर, समेत तमाम ग्राम वासी मौजूद रहे।

बलिदान दिवस पर चंद्रशेखर आजाद के प्रतिभा पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। बृहस्पतिवार को बांसी में आजाद चौक पर महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा इस दौरान प्रोफेसर केपी त्रिपाठी ने चंद्रशेखर आजाद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जैसा कि हम लोग जानते है की स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी दल का नेतृत्व करने वाले चंद्रशेखर आजाद का संकल्प था की दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे आजाद ही रहे हैं आजाद ही रहेंगे इस भावना से वह आजादी की लड़ाई में कूदे थे और आजादी के लड़ाई में क्रांति दल के नेता के रूप में कई वारदात सबसे आगे रहकर क्रांतिकारियों की सुरक्षा करते थे और आवश्यकता पड़ने पर मोर्चा भी लेते थे कहा भी गया है कि जो प्राण निछावर करते हैं इस मातृभूमि की वेदी पर इतिहास उन्हीं का बनता है कागज की विमल सफेदी पर तो आज स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में चंद्रशेखर आजाद की वीरता समय की छाती पर वह शिलालेख है जो आने वाली पीढ़ियों को देश पर सब कुछ न्योछावर करने की प्रेरणा सदा देता रहेगा इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर मंडल अध्यक्ष कुबेर बारी, भाजपा नेता विष्णु जायसवाल, अनुपमा सिंह महिला मोर्चा जिलामहामंत्री, शानि जायसवाल, शैलेंद्र त्रिपाठी, राकेश मिश्रा, मनोज यादव, रमाकांत, बजरंगी वर्मा, योगेश द्विवेदी, हरकेश सिंह आदि कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे और देश के प्रति सदैव जागरूक रहकर देश सेवा में सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा लेते हुए कार्यक्रम की समाप्ति घोषणा की गई।

भारत भारी में वार्षिकोत्सव समारोह का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। डुमरियागंज क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय भारत भारी में वार्षिकोत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया।वार्षिकोत्सव समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं नगर पंचायत भारत भारी के अध्यक्ष चन्द्र चौधरी जी के द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के बच्चो द्वारा सरस्वती गीत एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राम बिलास सिंह यादव के द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं विद्यालय की उपलब्धियों को बताया। विद्यालय के बच्चो ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जिसमें संदेशे आते हैं गीत पर लेजिम डांस, ट्विंकल ट्विंकल लिटिल स्टार, मोबाइल के दुष्प्रभाव पर आधारित डांस आदि सांस्कृतिक

कार्यक्रम प्रस्तुत किये। विद्यालय के बच्चों में अनीशा, मनीषा, अन्नू, पारो, नंदिनी, करन, अमन शुभम, विवेक आदि ने सुंदर प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर समासद आकाश पाण्डेय, राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत नसीम अहमद, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिनेश सिंह, मो नदीम,अखिलेश चौधरी, श्रीश चन्द, बशीर फारूकी, काजी तालिब हुसैन एवं विद्यालय परिवार के अध्यापक उपस्थित रहे।

संविधान की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है समाजवादी पार्टी – डॉ0 अमित शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी के नेता नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अमित शर्मा ने कहा कि देश के दलित, पिछड़े, अति पिछड़े, अल्पसंख्यक शोषित वंचित यह सभी वर्ग के अधिकार एवं लोकतंत्र का आधार संविधान से ही मिलता है, लेकिन आज संविधान को खत्म करने की साजिश हो रही है। समाजवादी पार्टी किसी कीमत पर संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, संकल्पित है। सरकार ने सबसे बड़ा वादा खिलाफी किसानों के साथ की है। आज का युवा वर्ग परेशान है डिग्री लेने के बाद भी युवाओं को रोजगार पाने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। शिक्षा इतनी महंगी हो गई है कि दलित, पिछड़े, अति पिछड़े परेशान है। पहले स्नातक की फीस एक साल की 53500 होती थी, लेकिन अब सेमेस्टर की वजह से उसकी फीस 4500 पर सेमेस्टर हो गई है। यानी कि सीधा–सीधा अगर समझा किया जाये, तो पहले स्नातक की फीस 11 हजार से 12 हजार रुपए में हो जाता था, लेकिन अब 27 हजार रुपए लग रहे हैं। आम जनमानस इस महंगाई से पूरी तरीके से परेशान है।

पीडीए जन जागरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का हुआ समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम मुड़ीला खुर्द में गुरुवार को सपा द्वारा पीडीए जन चौपाल का समापन सपा नेता उग्रसेन प्रताप सिंह के नेतृत्व में किया गया। पीडीए जन चौपाल में मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव सपा अजय चौधरी ने कहा कि भाजपा बाबा साहब के संविधान, आरक्षण एवं लोकतंत्र को समाप्त करना चाहती हैं। पीडीए जन चौपाल को सम्बोधित करते सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने कहा कि इस भाजपा सरकार में हमारे पीडीए समाज को उनके हक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। आने वाले समय में जनता उन्हें सत्ता से बेदखल करने का काम करेगी। पूर्व सपा प्रत्याशी उग्रसेन प्रताप सिंह ने कहा कि जनता भाजपा की बाबा साहब के संविधान, आरक्षण एवं लोकतंत्र विरोधी चेहरों को पहचान गयी है। आज भाजपा की सरकार में महंगाई, बेरोजगारी एवं प्रशासनिक अमलों में दलाली चरम सीमा पर है। कार्यक्रम का आयोजन शिवकुमार यादव एवं संचालन विधानसभा अध्यक्ष हरिनारायन यादव ने किया। पीडीए जन चौपाल में प्रमुख रूप से वीरेन्द्र तिवारी, राममिलन भारती, लौलेश्वर निषाद, विष्णु उमर, रामू यादव, कृजनान प्रधान, कमलेश बाबा, अजीज प्रधान, रामू यादव, टिन्कू सिंह, डब्लू सिंह, संदीप यादव, पप्पू सिंह, अखिलेश मौर्य, सूरज तिवारी समेत तमाम लोग उपस्थित रहें।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड शोहरतगढ़ स्थित ग्राम दहियाड़ में बृहस्पतिवार को आरोह फाउंडेशन की तरफ से वित्तीय साक्षरता सप्ताह सामूहिक शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रिजर्व बैंक आफ इंडिया के सहायक महाप्रबंधक पल्लवी के द्वारा इस कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ इस दौरान उन्होंने लोगो को बचत के बारे में एंव लोन लेते वक्त वित्तीय सूझ बुझ के बारे मे साथ ही साथ महिलाओं के स्वालंबी बनाने के तमाम योजनाओ को भी लोगो को बताया। वहीं नाबार्ड से जिला विकास प्रबंधक हिमांशु त्रिपाठी ने लोगों को कृषी से जुड़े बैंकिंग योजनाओ के बारे मे भी लोगो को बताया। आरोह फाउंडेशन के जिला समन्वयक उसमान अली ने लोगो को बताया की किसी भी अंजान नम्बर से फोन काल के माध्यम से ओटीपी ना बताये बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के लिए टोल फ्री नंबर का प्रयोग करे। वहीं पीएम स्वनिधि योजना के तहत सड़क पर बिक्री करने वालों के लिए ऋण के बारे भी लोगो इसके बारे मे जानकारी दी साथ ही साथ केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा संचालित बैंकिंग योजनाओं के बारे मे लोगो को जानकारी दी गई प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,जीवन ज्योति बीमा योजना,जन धन योजना,कृषि ऋण, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना व आदि विभिन्न योजनाओ के बारे मे बताया गया। वित्तीय साक्षरता केंद्र शोहरत गढ़ से वित्तीय सलाहकार संतोष शुक्ला ने तमाम बैंकिंग योजनाओ से लोगो को जागरूक कराया। इस दौरान ग्राम प्रधान पिंटू चौधरी, अंकुर,अनवारुल हक..... एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

शिक्षक समस्याओं को लेकर बीएसए से मिला संगठन का प्रतिनिधिमंडल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष रमेश चन्द्र मिश्र एवं महामंत्री कलीमुल्लाह के नेतृत्व में प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रकाश सिंह से मिलकर शिक्षा, शिक्षक, एवं विद्यालय सम्बन्धी समस्याओं को अवगत कराते हुए समाधान की मांग की। वार्ता के दौरान प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रकाश सिंह से संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया कि इस बार मध्याह्न भोजन हेतु खाद्यान्न का आवन्टन मात्र 10 विद्यालयों को ही हुआ है। जबकि लगभग सभी विद्यालयों में खाद्यान्न की आवश्यकता है। गत चार माह से विद्यालयों को कन्वर्जन कॉस्ट, फल, सप्लीमेंट्री न्यूट्रीशन तथा रसोइयों को मानदेय नहीं मिला है। बोर्ड परीक्षा को देखते हुए बाल्य देखभाल एवं अन्य अवकाश पर रोक लगने की वजह से तमाम शिक्षक जिन्हें वास्तव में अवकाश की आवश्यकता है उन्हें अवकाश नहीं मिल रहा है। वास्तविक शिक्षकों के अवकाश को स्वीकृत किये जाने की मांग की गयी। प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने खाद्यान्न सम्बन्धी समस्या पर जिला समन्वयक मध्याह्न भोजन डी0पी0 श्रीवास्तव को मांग पत्र के सापेक्ष खाद्यान्न का एक समानुपात में आवण्टित करने का निर्देश दिया तथा खाद्यान्न आवन्टन की पत्रावली अवलोकन हेतु प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही एक सप्ताह पूर्व बजट प्राप्त होने के बाद भी कन्वर्जन कॉस्ट फल सप्लीमेंट्री न्यूट्रीशन और रसोइया मानदेय न भेजे जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला समन्वयक को तत्काल भेजने का निर्देश दिया। अवकाश सम्बन्धी मामले में उन्हें बताया कि सभी अवकाश मैं स्वयं स्वीकृत करता हूं अस्वीकृत की दशा में उसके कारण का भी उल्लेख करता हूं, बोर्ड की परीक्षा चल रही है, यदि किसी अध्यापक को वास्तव में अवकाश की आवश्यकता है, तो वह उचित प्रमाण के साथ आवेदन करें, उन अवकाशों को स्वीकृत किया जायेगा। जनपद में शिक्षकों की अन्य तमाम समस्याओं पर चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि इस वक्त बोर्ड की परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने सभी से विद्यालयों में गुणवत्तायुक्त निपुण शिक्षा के साथ साथ सकुशल बोर्ड की परीक्षा को सम्पन्न कराने मे सभी शिक्षको से सहयोग का अनुरोध किया। वार्ता के दौरान के दौरान जिला अध्यक्ष अध्यक्ष रमेश चन्द्र मिश्र, महामंत्री कलीमुल्लाह के एलावा बुद्धिराम, अब्दुल अजीज, राजेश कुमार यादव, बालजीत कुमार, संजय आनन्द, धर्मेन्द्र सिंह, आशीष भारती, लाल चन्द्र वरुण, हरिश्चन्द्र, कुमार कमलेश्वर सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

एसएसबी का नागरिक कल्याण कार्यक्रम, क्षेत्रों में विकास और सौहार्द का प्रतीक : जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 50वीं वाहिनी बलरामपुर द्वारा

सीमावर्ती क्षेत्रों में चलाये जा रहे नागरिक कल्याण कार्यक्रम स्थानीय निवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इन कार्यक्रमों के तहत एसएसबी न केवल देश की सीमाओं की रक्षा कर रही है बल्कि नागरिकों के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध भी स्थापित कर रही है। नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत 29 जनवरी को एसएसबी 50वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी विकास दीप सिंह ने त्रिलोकपुर एसएसबी कैम्प में दीप प्रज्वलित कर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्घाटन किया था। यह सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रेरणा फाउण्डेशन द्वारा आयोजित किये गये थे, जिसमें प्रशिक्षुओं की सुविधा को देखते हुए बेसिक कम्प्यूटर एंड नेटवर्किंग कोर्स बढ़नी में ओके कंप्यूटर इंस्टीट्यूट इटवा रोड बढ़नी में इलेक्ट्रिशियन और प्लम्बिंग कोर्स चटनपुर और कंचनपुर में आयोजित किये गये थे। जिसका समापन समारोह गुरुवार को विकास खण्ड बढ़नी के औदही कला के नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद जगदम्बिका पाल और विशिष्ट अतिथि उप महानिरीक्षक मुन्ना सिंह उपस्थित थे। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र और विजेता टीम को पुरस्कार वितरित किये। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम, वॉलीबॉल प्रतियोगिता, नागरिक और पशु चिकित्सा शिविर शामिल थे। जीएवी इन्टर कॉलेज बढ़नी ने वॉलीबॉल प्रतियोगिता जीती। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय औदही, अमर बाल विद्या मंदिर बढ़नी और एसएसबी के जवानों ने सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, शिव वन्दना, देशभक्ति गीत और कृष्ण–राधा गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि एसएसबी देश की सीमाओं की रक्षा करने के साथ–साथ नागरिकों के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध भी स्थापित करती है। उन्होंने एसएसबी द्वारा आयोजित मेडिकल कैम्प, खेल प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं को दिये जाने वाले रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के नागरिक कल्याण कार्यक्रम केवल एसएसबी द्वारा ही आयोजित किये जाते हैं। एसएसबी के डीआईजी मुन्ना सिंह ने कहा कि एसएसबी 50वीं वाहिनी समय–समय पर सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके सीमावर्ती गांवों के लोगों को जागरूक करने का सराहनीय कार्य कर रही है। कार्यक्रम में एसएसबी 50वीं वाहिनी के सेनानायक संजय कुमार, सहायक कमान्डेंट अजय कुमार, उप सेनानायक दीपक सिंह जायसा और यादवेन्द्र सिंह, निरीक्षक राहुल राज और सर्वजीत सिंह, प्रेरणा फाउण्डेशन के अध्यक्ष संजय कुमार श्रीवास्तव, सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, चेयरमैन बढ़नी सुनील अग्रहरि, युवा समाजसेवी अनिल अग्रहरि, नर्वदेश्वर मणि त्रिपाठी, सच्चिदानन्द पाण्डेय, पद्माकर शुक्ल, पिन्टू मौर्य, प्रदीप शुक्ल, शशि आनन्द शुक्ल, इरशाद अहमद, जाहिद खान उर्फ गुड्डू प्रधान, अब्दुल मतीन, अब्दुल हलीम,महताब आलम, पवन पाठक, पवन यादव, दिनेश पाण्डेय, रवि शुक्ल, रमेश शुक्ल और एसएसबी टीम के सदस्य उपस्थित थे।

राज्य सभा सांसद ने बहुउद्देश्यीय सभागार का किया लोकार्पण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शिवपति इन्टर कालेज शोहरतगढ़ में स्थित राज्यसभा सांसद निधि द्वारा 1 करोड़ 2 लाख 70 हजार से निर्मित लाल तेजेन्द्र प्रताप सिंह बहुउद्देश्यीय सभागार का लोकार्पण गुरुवार को किया गया।

जिसके बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद बृजलाल, विशिष्ट अतिथि विधायक विनय वर्मा, शिवपति इन्टर कालेज के प्रबन्धक राजा योगेन्द्र प्रताप सिंह व कुंवर धनुर्धर प्रताप सिंह के रूप में सम्मिलित रहें।

इस अवसर पर सर्वप्रथम अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत– अभिनन्दन किया। वहीं अतिथियों द्वारा शिलापट्ट का अनावरण कर इस बहुदेशीय सभागार का उद्घाटन किया।

वहीं अतिथियों ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बहुउद्देश्यीय सभागार के निर्माण कार्य से कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं को सुविधायें मिलेगी, साथ ही कॉलेज प्रशासन इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठा सकेंगे।

वहीं वहां आयें अतिथियों द्वारा बहुदेशीय सभागार के हेतु समस्त कॉलेज प्रशासन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

इस दौरान राज्य सभा सांसद बृजलाल, विधायक विनय वर्मा, प्रबन्धक राजा योगेन्द्र प्रताप सिंह, कुंवर धनुर्धर प्रताप सिंह, शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 अरविन्द कुमार सिंह, शिवपति इन्टर कालेज के प्रधानाचार्य राम विलास यादव सहित तमाम सम्मानित लोग उपस्थित रहें।

सम्पादकीय

हाल ही के दिनों में विकसित देशों ने तमाम शोधों के बाद व्रत को दवा की संज्ञा दी है। प्राकृतिक चिकित्सा में व्रत के प्रकार, उसे खोलने में सावधानी व उपचार में उपयोग को लेकर विस्तृत अध्ययन उपलब्ध है, जो बताता है कम खाने से हमारा शरीर का पाचनतंत्र बेहतर ढंग से काम करता है। हम अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं। लेकिन व्रत वाले दिन हम तमाम ...

अध्यात्म संग मानसिक–शारीरिक कल्याण

जब कहा जाता है कि भारत पर्व व त्योहारों का देश है तो उसकी ठोस वजह है। जब मौसम व प्रकृति अपना रूप बदल रहे होते हैं तो इनके संधिकाल पर ये पर्व–त्योहार दस्तक देते हैं। हमें सचेत कर रहे होते हैं कि बदलते मौसम के अनुरूप अपना खान–पान, रहन–सहन और विचार–वाणी बदलिए। ऋतु चक्र हमें वास्तव में मानवीय बनने की प्रेरणा देता है ताकि हम आत्मकेंद्रित होने के बजाय प्रकृति, समाज, कुदरत की रचनाओं, वंचितों व जरूरतमंदों की भी फिक्र करें। शिवमय हुए देश में पर्व के मर्म को महसूस किया जा सकता है। सूर्योदय के साथ दैनिक कर्मों से निवृत्त लोग आस्थास्थलों की तरफ उमड़ते देखे जाते हैं। सूर्य के उगने से पहले उठना अपने आप में सेहत की कुंजी है। शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी–लंबी कतारें हममें धैर्य भर देती हैं, जो बताता है कि यदि हम नियम व कायदे के अनुरूप अपनी आस्था की अभिव्यक्ति करें तो तीर्थस्थल भगदड़ की त्रासदियों से सदा–सदा के लिए मुक्त हो सकते हैं। दरअसल, चाहे हमारे तीर्थ हों या देवालय, हमारे पूर्वजों ने उन्हें प्रकृति की सुषमा और जल स्रोतों के करीब बनाया है। जहां हम दैनिक जीवन की एकरसता से मुक्त होकर प्रकृति के सान्निध्य में सुकून महसूस कर सकें। हमारे बड़े तीर्थों के दुर्गम व पहाड़ी इलाकों में स्थित होने का अर्थ भी यही है कि हम शरीर को गतिशील बनाएं। हम पसीना बहाएं, जो अपने साथ शरीर के विजातीय द्रव्यों को बाहर निकालकर हमें स्वस्थ बनाता है। सही मायनों में हमारे पर्व–त्योहार समाज के लिए सेफ्टी–वॉल्व का काम ही करते हैं, भागमभाग के तनाव से मुक्त करते हैं। दफ्तर–परिवार में ऊंच–नीच से उपजी असहज स्थितियों से मुक्त होने का अवसर ये पर्व देते हैं। दरअसल, समय के साथ जीवनशैली में आए बदलावों संग न केवल हमारा व्यवहार कृत्रिम हुआ है बल्कि हमारा खानपान भी अपना मूल स्वरूप खो चुका है। ऐसे में ये पर्व हमें जीवन की वास्तविकता से रूबरू कराते हैं। कहने को तो हमारे पर्व–त्योहार आस्था व आध्यात्मिक व्यवहार से जुड़े हैं, लेकिन सही मायनों में ये हमारे स्वास्थ्य का संवर्धन कर रहे होते हैं। शिवरात्रि के व्रत में हम बेर आदि उन फलों का सेवन करते हैं, जो बदलते मौसम में हमारी शरीर की जरूरतों को पूरा करते हैं। तमाम लोग मंदिरों के बाहर दूध व फल आदि के लंगर लगाते हैं, जिससे दान देने वाले तो सेवाभाव से अभिभूत होते ही हैं, साथ ही श्रद्धालुओं के साथ ही तमाम गरीबों, जरूरतमंदों व भूखों को भी इससे लाभ मिलता है। ये पर्व हमारी आर्थिकी के लिए भी उत्प्रेरक तत्व हैं। फलों व पर्व से जुड़े सामान की बिक्री खूब होती है। उन लाखों लोगों को आर्थिक लाभ व रोजगार मिलता है, जो धार्मिक स्थलों के बाहर सड़कों पर दुकान लगा रहे होते हैं। इन धार्मिक स्थलों में पहुंचे श्रद्धालुओं में आस्था के चलते सहजता, सरलता, परोपकार आदि मानवीय गुणों की अभिव्यक्ति होती है। जो हममें सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। मंदिर व पूजा–पाठ से जीविका चलाने वालों की आर्थिकी इन पर्वों से समृद्ध होती है। वहीं पर्व–व्रत के धार्मिक–आध्यात्मिक पक्ष के इतर समाज–कल्याण व सेहत से जुड़ा पक्ष भी सशक्त है। सबसे महत्वपूर्ण तो व्रत है। व्रत का एक संपूर्ण विज्ञान है। विडंबना यह है कि हम अपने आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा जैसे सर्वसिद्ध ज्ञान को गंभीरता से नहीं लेते। हाल ही के दिनों में विकसित देशों ने तमाम शोधों के बाद व्रत को दवा की संज्ञा दी है। प्राकृतिक चिकित्सा में व्रत के प्रकार, उसे खोलने में सावधानी व उपचार में उपयोग को लेकर विस्तृत अध्ययन उपलब्ध है, जो बताता है कम खाने से हमारा शरीर का पाचनतंत्र बेहतर ढंग से काम करता है। हम अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं। लेकिन व्रत वाले दिन हम तमाम ऐसे विकल्प तलाश लेते हैं जो सामान्य दिनों के खाने से ज्यादा होता है। सही मायनों में व्रत विशुद्ध शारीरिक स्वास्थ्य की एक स्वयंसिद्ध प्रक्रिया है। हमारे पूर्वजों ने इस धर्म और अध्यात्म से जुड़कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सनातनी सदियों तक व्रत और परंपराओं का पालन करते हुए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें।

हनुमान चालीसा की एक एक पंक्ति अलौकिक है

श्रीहनुमान चालीसा की एक एक पंक्ति अलौकिक है। श्रीहनुमान जी महाराज जैसा भक्त, सनातन ही नहीं बल्कि विश्व के किसी भी धर्म में नहीं है। श्रीहनुमान जी अपने आराध्य प्रभु श्रीराम के भक्त होने के कारण ही ब्रह्मांड पूजित हैं। श्रीहनुमान जी महाराज भक्तों को बल, बुद्धि और विद्या प्रदान करने वाले देवता हैं। गहरे अंधकार में डूबे हुए मध्यकालीन भारत में हिंदू चेतना को जगाने वाले महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी हैं। श्रीरामचरितमानस और श्रीहनुमान चालीसा रचकर उन्होंने तत्कालीन हिन्दू जनता पर बड़ा भारी उपकार किया। हिंदुओं को हिंदू बने रहने की चाहत का मार्ग सुझाया। मध्यकालीन भारत से लेकर समकालीन भारत तक में श्रीहनुमान चालीसा ने हिंदुओं में आत्मबल और स्वाभिमान का भावबोध जागृत किया। इन अर्थों में एक अद्वितीय काव्य है। आप देखिए तो पाएंगे कि श्रीहनुमान चालीसा के हनुमान चालीसा का पाठ करने से कई तरह के लाभ मिलते हैं। श्रीहनुमान जी ने स्वयं की उपस्थिति में श्रीहनुमान चालीसा का लेखन करवाया। इसीलिए भूत, पिशाच से लड़ने की शक्ति भी इस बूटी नुमा काव्य में अंतर्निहित है। प्रिय पाठकों हनुमान चालीसा मे हनुमान जी की शक्ति है। हनुमान चालीसा का पाठ करने से मन शांत होता है, तनाव दूर होता है, और भय से छुटकारा मिलता है। प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हनुमान चालीसा का पाठ करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। व्यक्ति की परेशानियां और कठिनाइयां दूर होती हैं, और इसके साथ ही उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। जैसा कि सर्वविदित है कि हनुमान चालीसा एक लोकप्रिय भजन है। कहा जाता है कि इसका पाठ करने से भय दूर होता है और क्लेश मिटते हैं। हनुमान चालीसा का पाठ करने से कई प्रकार के लाभ होते हैं। व्यक्ति कितने भी संकट में क्यों न घिरा हो, वह हनुमान चालीसा के नियमित पाठ से निजात पा जाता है।

लेखक विनय कांत मिश्र/ दैनिक बुद्ध का संदेश

अधिसंख्य आबादी तक पहुचें सस्ती दवाइयां

आयुष्मान भारत योजना का दायरा देश की अधिसंख्य आबादी तक बढ़ाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना ऋपीएमबीजेपीऋ के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य लोगों को ब्रांडेड महंगी दवाइयों के स्थान पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां प्रदान करना है। सरकार के प्रयास के बावजूद अभी भी देश में बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं का प्रयोग नहीं हो पा रहा है। समय आ गया है कि सामुदायिक स्तर पर ...

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले काफी समय से जेनेरिक या ब्रांडेड दवाओं पर बहस छिड़ी है। पिछले साल नेशनल मेडिकल कमीशन ने एक नियम लागू किया था। इसमें कहा गया था कि डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं भी लिखनी होंगी। नियम न मानने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एनएमसी के इस फैसले के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने इस नियम पर सवाल खड़े किए थे। कई डॉक्टर एसोसिएशन ने भी नए कानून का विरोध कर इसको वापस लेने की मांग की थी। तर्क यह दिया गया था कि ब्रांडेड दवा न लिखने से मरीजों को नुकसान हो सकता है। विरोध के बाद एनएमसी ने अपना फैसला वापस ले लिया था। सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन की तैयारी कर रही है। इसके बाद डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखनी होगी, न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की। इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि जेनेरिक दवाओं के चलन से बड़ी फार्मा कंपनियों को सीधे नुकसान होगा। आमतौर पर सभी दवाओं में एक तरह का केमिकल सॉल्ट होता है। इन्हें शोध के बाद अलग–अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड (जैसे क्रोसिन) के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड की तुलना में 10 से 20 गुना तक सस्ती होती हैं। दरअसल, फार्मा कंपनियां ब्रांडेड दवाइयों की रिसर्च, पेटेंट और विज्ञापन पर काफी पैसा खर्च करती हैं। जबकि जेनेरिक दवाइयों की कीमत सरकार तय करती है और इसके प्रचार–प्रसार पर ज्यादा खर्च भी नहीं होता। कई जानलेवा बीमारियां जैसे एचआईवी, लंग कैंसर, लीवर कैंसर में काम आने वाली दवाओं के ज्यादातर पेटेंट बड़ी–बड़ी कंपनियों के पास हैं। वे इन्हें अलग–अलग ब्रांड से बेचती हैं। अगर यही दवा जेनेरिक में उपलब्ध हो तो इलाज पर खर्च 200 गुना तक घट सकता है। जैसे एचआईवी की दवा टेनोफिविर या एफाविरेंज की ब्रांडेड दवा का खर्च 2,500 डॉलर यानी करीब 1 लाख 75 हजार रुपये है, जबकि जेनेरिक दवा में यही खर्च 12 डॉलर यानी महज 840 रुपये महीने तक हो सकता है। हालांकि, इन बीमारियों का इलाज ज्यादातर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में होता है। ऐसे में ये दवाएं इन अस्पतालों में या यहां के केमिस्ट के पास ही मिल पाती हैं। देश में फार्मा इंडस्ट्री 1.20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की है और इसकी सालाना ग्रोथ 11 प्रतिशत है। देश में सालाना करीब 1.27 लाख करोड़ की दवाएं बेची जाती हैं, इसमें 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा जेनेरिक दवाओं का है। भारत जेनेरिक दवाइयों का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। दुनियाभर की डिमांड की 20 प्रतिशत दवाइयां भारत सप्लाई करता है। अमेरिका में 40 प्रतिशत और यूके में 25 प्रतिशत दवाइयां भारत सप्लाई करता है। 2018–19 में देश से 1,920 करोड़ डॉलर की दवाइयां एक्सपोर्ट की गईं। दुनियाभर में कुल वैक्सीन डिमांड का 50 प्रतिशत भारत से सप्लाई होता है। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीका, रूस, ब्राजील, नाइजीरिया और जर्मनी में भी भारतीय दवाएं एक्सपोर्ट की गईं। एक अनुमान के मुताबिक, किसी भी मरीज के इलाज के दौरान होने वाले खर्च का 70 प्रतिशत अकेले दवाओं पर खर्च हो जाता है। सरकार ने पिछले महीने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि इलाज और दवा पर होने वाले खर्च की वजह से देश में हर साल 3 करोड़ 8 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। फिलहाल सरकार की आयुष्मान भारत योजना से निःशुल्क इलाज और जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती जेनेरिक दवाओं का मिलना लोगों के लिए राहत की बात है। आयुष्मान भारत योजना का दायरा देश की अधिसंख्य आबादी तक बढ़ाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य लोगों को ब्रांडेड महंगी दवाइयों के स्थान पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां प्रदान करना है। सरकार के प्रयास के बावजूद अभी भी देश में बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं का प्रयोग नहीं हो पा रहा है। समय आ गया है कि सामुदायिक स्तर पर जेनेरिक दवाओं को प्रोत्साहित किया जाए। देश में बढ़ती महंगाई के दौर में लोगों को सस्ती और गुणवत्तापरक दवाइयों के जरिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। ऐसे में समय आ गया है कि सभी को जेनेरिक दवाओं के माध्यम से सस्ती दवाएं मुहैया कराइ जाएं।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

अमेरिकी नीतियों से यूरोपीय बेचैनी की तार्किकता

इसी तरह अगस्त, 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी हुई और वह देश उसी तालिबान को सौंप दिया, जिसको उसने 2001 में खदेड़ा था। यह दो दशकों तक वहां किए निवेश की बर्बादी थी जिसके जरिये लोकतांत्रिक मूल्यों व मानवाधिकारों की रक्षा का लक्ष्य था। यह पलायन भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर भारी पड़े घरेलू एजेंडे का नवीनतम उदाहरण था...

मनीष तिवारी

इस महीने की शुरुआत में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के 61वें संस्करण में अमेरिका के नव–नियुक्त उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वैंस द्वारा यूरोपियनों को लगाई मौखिक फटकार से यदि उन्हें सदमा न भी लगा हो तो भी हक्के–बक्के तो हुए ही हैं। वैंस ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति यूरोपीय लोगों की मौलिक प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया, जिसको लेकर उनका तर्क था कि यह अमेरिका–यूरोपीय सहयोग तंत्र की नींव है। भाषण खत्म होते–होते होटल बेयरिशर हॉफ के सम्मेलन कक्ष के फर्श पर यूरोपियन रणनीतिक लिहाज बिखर चुका था। यूरोप में चल रहे वर्तमान खेल के बारे में वैंस द्वारा की गई कटु आलोचना पर यूरोप के कुछ नेताओं ने तगड़ी असहमति जताई। सवाल है कि यूरोपीय लोग हक्के–बक्के क्यों हुए, तो इसके लिए यूरोप के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यवहार के पिछले सौ सालों का इतिहास को बांचना पड़ेगा, जो बताता है कि अमेरिका ने सदा अपने निज हित में काम किया है जिसे वह अपनी सुविधा के अनुसार जब चाहे अमेरिकी अपवाद–वाद के रूप में वर्णित करता है। प्रथम विश्व युद्ध 28 जुलाई, 1914 को शुरू हुआ था, जिसकी शुरुआत ऑस्ट्रो–हंगेरियन साम्राज्य के युवराज आर्कड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड और उनकी पत्नी सोफी की हत्या से हुई थी, जो एक बोस्निवाई सर्ब व्यक्ति द्वारा की गई थी। हालांकि, यह एक यूरोपीय युद्ध था, जिसने ब्रिटेन, फ्रांस और रूस का ट्रिपल एंटेंटे नामक गठजोड़ ऑस्ट्रिया–हंगरी, जर्मनी और इटली वाले ट्रिपल एलायंस से लड़ा, और पहले वाले गुट ने अमेरिकियों को अपना साथ देने का अनुरोध किया। जैफ सोनियन विचारधारा वाले सीनेटर्स द्वारा अड़ंगा लगाने से राष्ट्रपति वुडरो विल्सन के नेतृत्व वाले संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसे यूरोपीय राजशाहियों के बीच युद्ध मानकर पहले इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था। लेकिन इसके केवल ढाई साल बाद, 7 अप्रैल, 1917 को, संयुक्त राज्य अमेरिका ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी, क्योंकि जर्मनी ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में अपने अप्रतिबंधित पनडुब्बी युद्ध का दायरा बढ़ा दिया, जिससे अमेरिकियों को भारी जानी–माली नुकसान हो रहा था। इसमें एक अतिरिक्त उत्प्रेरक रहा, तत्कालीन जर्मन विदेश मंत्री आर्थर जिमरमैन द्वारा प्रेषित एक संदेश, जिसे बाद में कुख्यात 'जिमरमैन टेलीग्राम' का नाम मिला। इसमें मैक्सिकन सरकार से वादा किया गया कि जर्मनी मैक्सिको को वह क्षेत्र वापस पाने में मदद करेगा, जो वह 1846–1848 के मैक्सिकन–अमेरिकी युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका को हार चुका था। इस सहायता के बदले में, जर्मनी ने युद्ध में मैक्सिको का समर्थन मांगा। यह कहना राष्ट्रपति जेम्स मोनरो और उनके विदेश मंत्री जॉन क्विंसी एडम्स द्वारा परिकल्पित उस मोनरो सिद्धांत से सीधा टकराव था, जिसे 2 दिसंबर, 1823 को अमेरिकी संसद को मोनरो के संबोधन के दौरान व्यक्त किया गया था। इसमें कहा गया कि पश्चिमी गोलार्ध का इलाका, खासकर अमेरिकी महाद्वीप की तरफ, संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रभाव-क्षेत्र है और यूरोपियनों को हमारे इस विशेषाधिकार वाले क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। इस प्रकार, जब केवल अपने हितों पर खतरा बनता देखा, तभी संयुक्त राज्य अमेरिका यूरोपीय युद्ध में दाखिल हुआ। लीग ऑफ नेशन्स में 28 जून 1919 को राष्ट्रपति विल्सन की पहलकदमी से बनी वर्साय़लेस की संधि टूट गई, जब फरवरी 1933 में जापानियों ने किनारा कर लिया और इसके आठ महीने बाद जर्मनी भी पीछे हट गया, तब संयुक्त राज्य अमेरिका एक बार फिर से अलग–थलग पड़ गया, जबकि एडोल्फ हिटलर और उसके नाजियों ने 1938 के बाद से यूरोप के इलाके और देशों को हड़पते गए, जिसकी शुरुआत उसी वर्ष मार्च में ऑस्ट्रिया का एंश्लस कब्जाने से हुई। यहां तक कि जब 1940 के मई से नवंबर माह के बीच ग्रेट ब्रिटेन अपने सबसे बुरे वक्त में अकेला खड़ा था, तब भी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने 1939 के तटस्थता अधिनियम और 1934 के जॉनसन अधिनियम का हवाला देते हुए उसकी मदद करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी। हालांकि बाद में कुछ नवीन तरीके खोजे गए, जब द्वितीय विश्व युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका को औपचारिक रूप से प्रवेश 7 दिसंबर, 1941 को पर्ल हार्बर पर हुए जापानी हमले के बाद करना पड़ा। जापान के खिलाफ युद्ध शुरू करने की घोषणा 8 दिसंबर 1941 को ही की गई थी। तीन दिन बाद जब जर्मनी और इटली ने भी 11 दिसंबर 1941 को अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी, तब जाकर इसने भी जवाबी ऐलान किया। निष्कर्ष यह है, बहुत संभव है कि जब यूरोप गेस्टापो और श्टुटजस्टाफेल के गुंडों के अधीन कराह रहा था, तब भी अमेरिका ने तटस्थता बनाए रखी होती अगर जापानियों ने उसपर हमला न किया होता। आगे कुछ दशकों बाद, एक दशक तक चली लड़ाई के बाद, अमेरिका को 30 अप्रैल, 1975 को वियतनाम से वापसी करनी पड़ी, एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक खर्च होने और 58,000 से अधिक का जानी नुकसान करवाने के बाद उसने दक्षिण वियतनाम में अपना सैन्य अभियान समाप्त किया। यह एक और उदाहरण है कि कैसे बदलते हुए घरेलू माहौल इसकी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर भारी पड़ा। वहां इस लड़ाई में अमेरिका का साथ देने वाले दक्षिण वियतनामी लोगों में अधिकांश को उत्तरी वियतनामी 'साथियों' के रहमो–करम पर छोड़कर वे निकल आए। इसी प्रकार, इस झूठे आधार पर कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं नौ साल वहां युद्ध चलाने के बाद 18 दिसंबर 2011 को अमेरिका उस देश से बाहर निकला। इसके तुरंत बाद इराक और सीरिया के इलाके में इस्लामिक स्टेट या आईएसआईएस का उदय हुआ। इराक का युद्ध, जिसमें दस लाख अमेरिकी फौजी सैन्य अभियान का हिस्सा थे, इससे अमेरिकी खजाने को 2.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की चपत लगी और कुल 4,61,000 लोग मारे गए।

स्टार्क ने कहा, चैंपियन्स ट्रॉफी से बाहर रहने के पीछे टखने का दर्द मुख्य कारण

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान में चल रही चैंपियन्स ट्रॉफी से बाहर रहने के उनके फैसले के पीछे मुख्य कारण टखने का दर्द है। हाल ही में श्रीलंका में श्रृंखला के दौरान टखने में दर्द के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने यह भी कहा था कि उनके फैसले के पीछे कुछ 'व्यक्तिगत विचार' भी थे।

स्टार्क ने 'विलो टॉक पॉडकास्ट' पर कहा, "कुछ अलग-अलग कारण हैं, कुछ व्यक्तिगत विचार हैं।" उन्होंने कहा, "टेस्ट श्रृंखला के दौरान मेरे टखने में थोड़ा दर्द था इसलिए मुझे बस इसे ठीक करने की जरूरत है। बेशक (विश्व) टेस्ट (चैंपियनशिप) फाइनल होने वाला है और उसके बाद वेस्टइंडीज का दौरा है। कुछ आईपीएल क्रिकेट भी है।"

स्टार्क ने कहा, "लेकिन मेरे दिमाग में सबसे ऊपर फाइनल टेस्ट है। अपने शरीर को ठीक करूंगा, अगले कुछ महीनों में कुछ क्रिकेट खेलूंगा और फिर (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए तैयार हो जाऊंगा।"

पैंतीस वर्षीय स्टार्क ने इन गर्मियों में भारत और श्रीलंका के खिलाफ सात टेस्ट मैच खेले हैं और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों में सबसे व्यस्त रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए आगामी कार्यक्रम काफी व्यस्त है जिसमें जून में लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल होना है। उसके बाद वेस्टइंडीज का तीन टेस्ट का दौरा है। स्टार्क आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेलेंगे।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती बढ़त के बाद उतार-चढ़ाव

घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी ने बृहस्पतिवार को सकारात्मक रुख के साथ कारोबार की शुरुआत की, लेकिन शुरुआती सौदों के बाद इनमें उतार-चढ़ाव का रुख देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 231.97 अंक चढ़कर 74,834.09 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 65.75 अंक की बढ़त के साथ 22,613.30 अंक पर रहा। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही सूचकांकों में उतार-चढ़ाव का देखने को मिला और ये ऊंच व निचले स्तर के बीच कारोबार करने लगे। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक,

एक्सिस बैंक, नेस्ले और टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक तेजी में रहे। अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और टाटा मोटर्स के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की फायदे में रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार बुधवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.77 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर सपाट रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,529.10 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद थे।

पोप चिकित्सकों की निगरानी में, उनके स्वस्थ होने के लिए अनुयायी कर रहे हैं प्रार्थना

'डबल निमोनिया' से पीड़ित पोप फ्रांसिस इलाज के दौरान बुधवार को सीधा बैठे, वहीं दुनिया भर में उनके अनुयायी उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। वेटिकन ने बताया कि फ्रांसिस की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है, लेकिन नए बिशपों की घोषणा और चर्च के लिए राशि जुटाने की नयी पहल को लेकर रोमन कैथोलिक चर्च के प्रतिनिधि जुटे हुए हैं।

वेटिकन ने कहा कि उसे उम्मीद है कि मंगलवार शाम की गई सीटी स्कैन जांच की रिपोर्ट जल्द ही मिल जाएगी, जिससे फेफड़े के संक्रमण की स्थिति का पता चल सकेगा। 88 वर्षीय पोप 14 फरवरी से अस्पताल में भर्ती हैं।

पोप फ्रांसिस फेफड़ा संबंधी रोग से पहले भी पीड़ित रहे हैं और ब्रोंकाइटिस के कारण तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वेटिकन ने बताया, "पोप रात में ठीक से सोये और आराम किया।"

पोप ने बुधवार सुबह कुर्सी पर बैठकर थेरेपी कराई। चिकित्सकों ने कहा है कि वह अभी खतरे से बाहर नहीं हैं, लेकिन शनिवार से उन्हें सांस को लेकर दिक्कत नहीं हुयी है। फ्रांसिस अस्पताल ने संभवतः कुछ समय पहले से अपने कमरे से काम कर रहे हैं और उनकी अनुपस्थिति में वेटिकन नौकरशाही का दैनिक काम जारी है। इस बीच वेटिकन ने कहा कि फ्रांसिस ने चार नए बिशप नियुक्त किए हैं और रोमन कैथोलिक चर्च के लिए राशि जुटाने की खातिर एक नयी पहल को मंजूरी दी है, जो वर्षों से वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। फ्रांसिस बिशप नियुक्तियों को मंजूरी दी थी और चंदा एकत्र करने के लिए नए मानदंडों को 11 फरवरी को मंजूरी दी गई थी। यह मंजूरी उनके अस्पताल में भर्ती होने से पहले दी गयी थी लेकिन अब उनकी औपचारिक रूप से घोषणा की गयी है।

पोप के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके अनुयायी और शुभचिंतक रोम में एकत्र हुए तथा विशेष प्रार्थना की। मंगलवार रात को फ्रांसिस के गृहनगर से कई लोग रोम के अर्जेंटाइन गिरजाघर में जमा हुए और रोम के लिए पोप के पादरी कार्डिनल बलदासारे रीना की अगुवाई में विशेष प्रार्थना की।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने पुणे में नई परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये की आवासीय संपत्तियां बेचीं

रियल एस्टेट डेवलपर गोदरेज प्रॉपर्टीज ने मजबूत मांग के बीच पुणे में अपनी नई परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय संपत्तियां बेची हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने "पुणे के हिंजेवाड़ी स्थित अपनी परियोजना

'गोदरेज एवरग्रीन स्क्वायर' में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां बेची हैं।" गोदरेज प्रॉपर्टीज ने इस परियोजना में कुल 12.3 लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली 1,398 आवासीय संपत्तियां बेची हैं। इस परियोजना को नवंबर 2024 में पेश किया गया था। गोदरेज एवरग्रीन स्क्वायर में 24.1 लाख वर्ग फुट की विकास योग्य क्षमता है, जिसकी अनुमानित राजस्व क्षमता लगभग 2,045 करोड़ रुपये है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा कि कंपनी को ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

क्या डोनाल्ड ट्रंप का गोल्ड कार्ड भारतीयों के लिए गेम चेंजर साबित होगा? जानिए अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बारे में क्या कहा?

कल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निवेशकों के लिए गोल्ड कार्ड योजना की घोषणा की। इसके तहत बाहरी लोग पांच मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करके अमेरिकी नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं। 'गोल्ड कार्ड' का अनावरण करने के बाद ट्रंप ने कहा कि इस नई नागरिकता पहल के तहत अमेरिकी कंपनियां अमेरिकी विश्वविद्यालयों से भारतीय स्नातकों को नियुक्त कर सकेंगी। ट्रम्प ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान आव्रजन प्रणाली शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को अमेरिका में रहने और काम करने से रोका है। उन्होंने कहा, "एक व्यक्ति भारत, चीन, जापान, कई अलग-अलग जगहों से आता है, और वे हार्वर्ड, व्हार्टन स्कूल ऑफ फाइनेंस में जाते हैं। उन्हें नौकरी की पेशकश की जाती है लेकिन वह पेशकश तुरंत रद्द कर दी जाती है क्योंकि आपको पता नहीं होता कि वह व्यक्ति देश में रह सकता है या नहीं।"

इस नीति के परिणामों के बारे में बोलते हुए, ट्रंप ने स्वीकार किया कि कई प्रतिभाशाली स्नातक जिन्हें अमेरिका छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था, वे अपने गृह देशों में सफल उद्यमी बन गए। अमेरिका के लिए छूटे हुए आर्थिक अवसर पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, "वे भारत वापस चले जाते हैं, या वे उस देश में वापस चले जाते हैं जहां से वे आए थे और वे एक कंपनी खोलते हैं, और वे अरबपति बन जाते हैं। वे हजारों लोगों को रोजगार दे रहे हैं।" ट्रंप के नए गोल्ड कार्ड कार्यक्रम को मौजूदा ग्रीन कार्ड के प्रीमियम संस्करण के रूप में पेश किया जा रहा है, जो दीर्घकालिक निवास और नागरिकता का मार्ग प्रदान करता है। इस पहल को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए राजस्व उत्पन्न करने के तरीके के रूप में भी तैयार किया जा रहा है। ट्रम्प ने कहा, "यदि हम एक मिलियन बेचते हैं, तो यह 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।" उन्होंने सुझाव दिया कि इस धन का उपयोग राष्ट्रीय ऋण का भुगतान करने के लिए किया जा सकता है।

यह योजना मौजूदा ईबी-5 वीजा कार्यक्रम की जगह लेगी, जो उन निवेशकों को निवास प्रदान करती है जो दस या अधिक लोगों को रोजगार देने वाले व्यवसायों पर कम से कम 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च करते हैं। ट्रम्प का मानना है कि गोल्ड कार्ड एक गेम-चेंजर होगा।

राष्ट्रपति ने कहा, "वे अमीर होंगे, और वे सफल होंगे, और वे बहुत सारा पैसा खर्च करेंगे और बहुत सारे करों का भुगतान करेंगे और बहुत से लोगों को रोजगार देंगे, और हमें लगता है कि यह बेहद सफल होने वाला है।" ट्रम्प की स्पष्ट कुछ व्यवसाय वैश्विक मानसिकता से प्रेरित यह कार्यक्रम अप्रैल तक लागू होने की संभावना है, जिसमें लगभग 10 मिलियन ऐसे गोल्ड कार्ड वीजा शुरू में उपलब्ध होने की संभावना है।

अमेरिका के साथ आर्थिक समझौते की रूपरेखा तैयार : यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के साथ एक आर्थिक समझौते की रूपरेखा तैयार है। हालांकि, सुरक्षा गारंटी, जिसे कीव महत्वपूर्ण मानता है, पर अभी निर्णय होना बाकी है तथा समझौते पर मुहर शुक्रवार को वाशिंगटन में होने वाली वार्ता पर निर्भर करेगी। कीव में संवाददाता सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की ने कहा कि यह रूपरेखा समझौता, पूर्ण समझौते की दिशा में पहला कदम है, जिसे यूक्रेन की संसद द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन यह जानना चाहता है कि अमेरिका का उसे (यूक्रेन को) मिल रहे निरंतर सैन्य समर्थन के मामले में क्या रुख है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की यात्रा के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापक मुद्दों पर सार्थक बातचीत होने की उम्मीद है।

असम के मोरीगांव में 5.0 तीव्रता के भूकंप से सहमे लोग, गुवाहाटी तक लगे झटके

गुवाहाटी। असम के मोरीगांव में गुरुवार तड़के तेज भूकंप के झटकों से लोग सहम गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.0 दर्ज की गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप सुबह 2रू25 बजे 16 किलोमीटर गहराई में आया है। इसके झटके मोरीगांव से 80 किलोमीटर दूर गुवाहाटी और राज्य के अन्य हिस्सों में भी महसूस किए गए हैं। भारत के अलावा तजाकिस्तान में भी सुबह 6रू27 बजे 4.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जो 90 किलोमीटर गहराई में था। असम में भूकंप से कुछ दिन पहले 25 फरवरी को बंगाल की खाड़ी में 5.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके झटके पश्चिम बंगाल के कोलकाता और कई अन्य हिस्सों में भी महसूस हुए थे। दिल्ली में भी 17 फरवरी को 4.0 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र धौला कुआं में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास 5 किलोमीटर की गहराई पर था। दिल्ली में भूकंप काफी तेज था, जिससे लोग सहम गए थे। विशेषज्ञों की मानें तो असम में भूकंप आना सामान्य बात है क्योंकि यह भारत के सबसे ज्यादा भूकंप-प्रवण क्षेत्रों में से एक है। यह भूकंपीय क्षेत्र 5 में आता है, जिसका मतलब है कि यहां तेज झटकों का खतरा ज्यादा है, जबकि दिल्ली क्षेत्र 4 में आता है। पिछले कुछ वर्षों पर गौर करें तो 1950 का असम-तिब्बत भूकंप (8.6 तीव्रता) और 1897 का शिलांग भूकंप (8.1 तीव्रता) का था, जो इतिहास के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में शामिल है।

मुहम्मद यूनुस सरकार को बड़ा झटका, शेख हसीना का तख्तापलट करने वाले नाहिद इस्लाम ने दिया इस्तीफा

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार, नाहिद इस्लाम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नाहिद इस्लाम वही हैं, जिनके नेतृत्व में पूर्व प्रधान मंत्री को पद से हटाने के लिए पिछले साल विद्रोह चला था। उनका इस्तीफा बढ़ते तनाव के बीच आया है क्योंकि पूर्व छात्र कार्यकर्ता सड़कों से परे अपना प्रभाव मजबूत करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने 28 फरवरी को बांग्लादेश में एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की घोषणा की, जिसमें कहा गया कि मौजूदा राजनीतिक दलों की विचारधारा देश के सभी लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। इस्लाम ने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, "देश में मौजूदा स्थिति को देखते हुए एक नई राजनीतिक ताकत का उदय जरूरी है। मैंने जन विद्रोह को मजबूत करने के लिए सड़कों पर बने रहने के लिए सलाहकार परिषद से इस्तीफा दे दिया है।" इस्लाम ने जुलाई 2024 के विरोध प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके कारण 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा। वह यूनुस के तहत गठित अंतरिम सलाहकार परिषद में शामिल किए गए तीन छात्र नेताओं में से एक थे। हालांकि, अब उनका मानना है कि सक्रियता में उनकी भूमिका सरकार में उनकी स्थिति से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "मेरी प्राथमिकता लोकतांत्रिक परिवर्तन के लिए लोगों की आकांक्षाओं के लिए काम करना है।" इस्लाम के फैसले की विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और अन्य समूहों ने आलोचना की है, जो एक पार्टी के गठन पर सवाल उठाते हैं जबकि इसके कुछ सदस्य राज्य सत्ता में बने हुए हैं। इसके विपरीत, शेख हसीना की अवामी लीग काफी हद तक चुप रही है,

इसके अधिकांश वरिष्ठ नेता या तो जेल में हैं या अपने निष्कासन के बाद भाग गए हैं। जुलाई-अगस्त 2024 का विद्रोह, जिसने हसीना की सरकार को उखाड़ फेंका, हिंसक झड़पों से चिह्नित था। इस महीने की शुरुआत में संयुक्त राष्ट्र की एक तथ्य-खोज रिपोर्ट से पता चला कि 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच 1,400 लोग मारे गए थे, जिसमें पिछले शासन पर प्रदर्शनकारियों को बेरहमी से कुचलने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया था।

आतिशी का भाजपा पर आरोप, कहा-तानाशाही की हदें पार कर दी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की विधायक आतिशी ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि पार्टी ने सत्ता में आने के बाद तानाशाही की सारी हदें पार कर दी हैं। आतिशी ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने जय भीम के नारे लगाने के कारण तीन दिन के लिए आम आदमी पार्टी के विधायकों को दिल्ली विधानसभा से निलंबित कर दिया। आतिशी ने आगे कहा, आज भी भाजपा ने लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए विधायकों को विधानसभा परिसर में प्रवेश तक नहीं करने दिया। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि चुने हुए प्रतिनिधियों को विधानसभा परिसर में घुसने से रोका गया हो। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा की तानाशाही न केवल विधानसभा की कार्यवाही को प्रभावित कर रही है, बल्कि यह लोकतंत्र के बुनियादी मूल्यों का भी उल्लंघन कर रही है। दरअसल, तीन दिनों के लिए शुरू हुए दिल्ली विधानसभा सत्र के दूसरे दिन ही दिल्ली के उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी समेत अन्य विधायकों ने जमकर हंगामा शुरू कर दिया था। उन्होंने दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री के कमरे और सचिवालय में अन्य मंत्रियों के कमरों से बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की फोटो हटाने को लेकर भाजपा पर आरोप लगाने शुरू कर दिए और जमकर नारेबाजी भी शुरू कर दी। जिसके बाद आतिशी और उनके साथी विधायकों को एक के बाद एक दिल्ली विधानसभा से तीन दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया। अब आतिशी का कहना है कि अपने तानाशाही रवैये के चलते भाजपा सरकार ने उन्हें विधानसभा से तो निलंबित कर दिया है, लेकिन विधानसभा के परिसर में भी घुसने पर रोक लगा दी है। सदन में कैग रिपोर्ट पर चर्चा होनी है और इस रिपोर्ट को लेकर लगातार हंगामा जारी है।

निस्वार्थ प्रेम से प्राप्त होती है भक्ति

देवरिया। निस्वार्थ प्रेम से ही भक्ति प्राप्त होती है। भगवान शिव की कथा सुनाते हुए पहले सबको प्रणाम करते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि उनके अंदर झुकने का गुण विराजमान है। ऐसे में जब मानव भी झुकता है, तभी उसे भगवान की भक्ति प्राप्त होती है। यह बातें मठिया खुखुंदू के शिव मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि पर आयोजित मानस सम्मेलन में कवियित्री शशिप्रभा ने कही। यह शिवाजी इंटर कॉलेज खुखुंदू की ओर से स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे स्व विश्वनाथ राय की स्मृति में आयोजित मानस सम्मेलन में कथा का रसपान करा रही थीं। कथा व्यास स्वामी रूप नारायणाचार्य ने राधाकृष्ण के प्रेम–प्रसंग की कथा सुनाते हुए श्रोताओं को बताया कि प्रेम के बिना भक्ति अधूरी है। भगवान से प्रेम के दौरान श्रद्धा, भक्ति और विश्वास तीनों का होना बहुत जरूरी है। इसके पूर्व प्रथम सत्र में प्रबंधक अजय शर्मा और शिवाजी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आलोक राय ने दीप प्रज्ज्वलित कर मानस सम्मेलन की शुरुआत कराई। सायंकाल द्वितीय सत्र सुधीर श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलित कर मानस सम्मेलन की शुरुआत कराई। इस दौरान जयप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्ता, सुरेश तिवारी, विनोद कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

व्यवसायियों ने की स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग

देवरिया। देवरिया–कसया मार्ग पर कंचनपुर से गड़रामपुर तक एक भी स्पीड ब्रेकर नहीं है। इससे तेज गति से गुजरते वाहनों से आए दिन हादसे हो रहे हैं। कस्बा के व्यवसायियों ने एसडीएम को पत्र लिखकर प्रमुख चौराहे, स्कूल–कॉलेजों व सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के सामने स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है। नगर पंचायत कस्बा के व्यवसायी अनिल यादव, मनोज मोदनवाल उर्फ मोलू, सत्यम मोदनवाल, अमित मोदनवाल, मुन्ना मद्धेशिया, राजू प्रजापति, आदित्य प्रजापति उर्फ गोलू, सभासद सूरज गुप्ता, महेंद्र यादव, वशिष्ठ दुबे उर्फ बड़े बाबा, राम किशुन प्रसाद आदि ने एसडीएम सदर को पत्र लिखा है। जिसमें कहा है कि देवरिया–कसया रोड पर थाना क्षेत्र के कंचनपुर तिराहे से गड़रामपुर तक कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है, जबकि इस बीच सड़क पर दोनों तरफ कई स्कूल–कॉलेज और सार्वजनिक प्रतिष्ठान हैं। कंचनपुर और गड़रामपुर के बीच बजरिया मोड़, एसबीआई की शाखा, थाना मोड़, जमुनी नहर पुलिया मोड़, गड़रामपुर नहर पुलिया मोड़ सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों के सामने सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है।

उचक्कों ने उड़ाए दो महिलाओं के जेवर

देवरिया। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के छोटी गंडक नदी के तट पर गंगाधर बाबा शिव मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के दिन भव्य मेला लगता है। शिव मंदिर में पूजन–अर्चन व मेला करने गईं दो महिलाओं का उचक्कों ने मंगलसूत्र व पर्स उड़ा दिया। इसकी जानकारी होने पर महिलाएं रोना शुरू कर दीं। पीड़ित दोनों महिलाओं ने थाने पहुंच पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के नगर पंचायत के गंगाधर बाबा स्थान पर महाशिवरात्रि के दिन भव्य मेला लगा था। यहां काफी संख्या में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के महिला– पुरुष पहुंचकर पूजन–अर्चन किए। इस दौरान पचलखिया गांव निवासी नीलम भी पूजा करने आई थी। पूजा करते समय उनका मंगलसूत्र व पर्स उचक्कों ने उड़ा दिया।

महिला की पिटाई मामले में केस के बाद मनबढ़ों ने दी धमकी

देवरिया। बैतालपुर क्षेत्र में सरेआम महिला की पिटाई का वीडियो वायरल होते ही हरकत में आई पुलिस ने दो लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई के बाद मनबढ़ों ने दरवाजे पर चढ़कर धमकी दी। दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया। इस आशय का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का दावा किया जा रहा है। गौरी बाजार थाना क्षेत्र के बैतालपुर कस्बे में एक व्यक्ति द्वारा बुजुर्ग महिला को थप्पड़ मारने व उसके पुत्र के पिटाई का वीडियो वायरल हुआ। जिसमें दिख रहा है कि बीच बचाव में जुटे उसके पुत्र को भी वह मारता–पीटता है। मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस ने रामज्ञानी की तहरीर पर कस्बा निवासी आशीष पांडेय व मनीष पांडेय के विरुद्ध केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पीड़ितों ने फिर आरोप लगाया की पुलिस कार्रवाई के बाद कुछ मनबढ़ उनके दरवाजे पर चढ़कर धमकी दिए एवं दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया। इस आशय का भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हालांकि वीडियो कब का और कहां का है इसकी पुष्टि अमर उजाला नहीं करता है। पुलिस ने बताया कि मामला जमीनी विवाद का है।

गाड़ी बेचने के नाम पर दो लाख ठगे, केस दर्ज

महराजगंज। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से वाहन बेचने के नाम पर जालसाजों ने दो लाख की ठगी कर ली। ठगी के शिकार हुए युवक ने जब पैसे मांगा तो जालसाजों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। तहरीर में मुहम्मदपुर निवासी पीड़ित ने बताया कि उसे पिकअप वाहन की आवश्यकता थी। इस बीच हमारी मुलाकात राजू निगम पुत्र पूर्णवासी निवासी ग्राम महादेवा थाना श्यामदेउरवां जनपद महराजगंज से हुई। उसने बताया कि हमारे एक रिश्तेदार बृजेश रंजन निवासी बैजू डेहरा थाना पनियरा जनपद महराजगंज के पास पिकअप है जिसे वह बेचना चाहते हैं। अप्रैल 2023 में उसने बृजेश रंजन को पिकअप के साथ परतावल ब्लॉक परिसर में बुलाया। यहीं हम लोगों में बात हुई और गूगल पे के माध्यम से मैंने बृजेश के मोबाइल पर एक लाख सत्रह हजार ट्रांसफर कर दिया। इसके अलावा वहां मौजूद चार पांच लोगों के सामने 73 हजार रुपये नकद बृजेश व राजू निगम को दिया गया। इस प्रकार कुल एक लाख नब्बे हजार रुपये बृजेश व राजू निगम ने ले लिए। इसके बाद जब पिकअप ट्रांसफर करने के लिए कहता तो वह आनाकानी करने लगते थे। कुछ दिन बाद पता चला कि उक्त पिकअप पर ढाई लाख रुपये का लोन है। जानकारी होने पर पैसे मांगे तो आनाकानी करने लगे। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह के अनुसार मामले में बृजेश रंजन व राजू निगम के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

देवरिया ने बुलंदशहर और आजमगढ़ को दी शिकस्त

देवरिया। रवींद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में ओपन स्टेट आमंत्रण महिला सीनियर हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन मैच मेजबान देवरिया व बुलंदशहर के बीच खेला गया। देवरिया की टीम ने 6–0 से जीत हासिल की। वहीं एक अन्य मुकाबले में भी देवरिया ने आजमगढ़ को 9–0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में पहुंचने का दावा मजबूत कर लिया। लीग मुकाबलों में अलीगढ़ ने आजमगढ़ को 3–1, कुशीनगर ने बुलंदशहर को 6–0 और अलीगढ़ ने कुशीनगर को रोमांचक मैच में 1–0 से पराजित कर अंकों में बढ़त बनाई।

खेल निदेशालय की देखरेख व जिला खेल कार्यालय के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में पहला मैच देवरिया व बुलंदशहर के बीच खेला गया, जिसमें देवरिया ने 6–0 के स्कोर से जीत हासिल किया। देवरिया की तरफ से लकी ने दूसरे, आठवें मिनट में दो गोल, रावी ने 10वें मिनट में एक गोल, मानसी ने 14वें मिनट में एक गोल और विभा ने 48वें मिनट में एक गोल करके देवरिया को शानदार जीत दिला दी। प्लेयर ऑफ द मैच लकी को चुना गया।

दूसरा मैच अलीगढ़ व आजमगढ़ के बीच खेला गया, जिसमें अलीगढ़ ने आजमगढ़ को 3–1 स्कोर से हराया। अलीगढ़ की तरफ से छठवें, 48वें मिनट में बिपाशा ने दो गोल, 48वें मिनट में शीतल ने एक गोल किया। वहीं आजमगढ़ की तरफ से एकमात्र गोल 29वें मिनट में सुरभि ने किया। इस मैच की प्लेयर ऑफ द मैच बिपाशा रहीं। तीसरा मैच कुशीनगर व बुलंदशहर के बीच खेला गया, जिसमें कुशीनगर ने बुलंदशहर को 6–0 के स्कोर से हराया। कुशीनगर की तरफ से कृतिका ने 13वें मिनट, काजल ने 16वें, 36वें व 40वें मिनट, नैंसी ने 32वें मिनट में एक–एक गोल किया। प्लेयर ऑफ द मैच काजल को चुना गया।

दिन का चौथा मैच देवरिया और आजमगढ़ के बीच खेला गया, जिसमें देवरिया की टीम ने आजमगढ़ को 9–0 के स्कोर से हराया। पांचवें, 11वें, 13वें मिनट में लकी ने तीन, 17वें, 19वें, 25वें मिनट में विभा ने तीन गोल, 32वें, 35वें मिनट में प्रीति पाठक ने दो व 40वें मिनट में मानसी ने एक गोल करके देवरिया को यादगार जीत दिलाई। प्लेयर ऑफ द मैच आजमगढ़ की मिडफील्ड खिलाड़ी आस्था को चुना गया। पांचवां मैच अलीगढ़ और कुशीनगर के बीच खेला गया, जिसमें अलीगढ़ ने कुशीनगर को 1–0 के स्कोर से हराया। अलीगढ़ की तरफ से 40वें मिनट में स्वाति ने एक गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। इस मैच की प्लेयर ऑफ द मैच स्वाति रहीं। इससे पूर्व मुख्य अतिथि सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि व तीरंदाजी के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी संजीव सिंह, अमृता चौरसिया, जिला ओलंपिक संघ के महासचिव अजय जायसवाल व पूर्व क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी मोहम्मद अकरम सिद्दीकी ने खिलाड़ियों से परिचय कर खेल का शुभारंभ किया। क्रीड़ाधिकारी अनुराग श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया।

सुदामा चरित्र कठिनाइयों का सामना करने की देता है सीख

देवरिया। क्षेत्र के शाहपुर शुक्ल शिव मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन कथावाचक डॉ नित्यानंद महाराज ने सुदामा चरित्र व सुखदेव विदाई का वर्णन किया। कहा कि मित्रता में गरीबी और अमीरी नहीं देखनी चाहिए।

मित्र एक दूसरे का पूरक होता है। भगवान कृष्ण ने अपने बचपन के मित्र सुदामा की गरीबी को देखकर रोते हुए अपने राज सिंहासन पर बैठाया और उन्हें उलाहना दिया कि जब गरीबी में रह रहे थे तो अपने मित्र के पास तो आ सकते थे, लेकिन सुदामा ने मित्रता को सर्वोपरि मानते हुए श्रीकृष्ण से कुछ नहीं मांगा। उन्होंने बताया कि सुदामा चरित्र हमें जीवन में आई कठिनाइयों का सामना करने की सीख देता है। सुदामा ने भगवान के पास होते हुए अपने लिए कुछ नहीं मांगा अर्थात निस्वार्थ समर्पण ही असली मित्रता है। भागवत में बताए उपदेशों उच्च आदर्शों को जीवन में ढालने से मानव जीवन जीने का उद्देश्य सफल हो जाता है। सुदामा चरित्र के प्रसंग में कहा कि अपने मित्र का विपरीत परिस्थितियों में साथ निभाना ही मित्रता का सच्चा धर्म है। मित्र वह है जो अपने मित्र को सही दिशा प्रदान करे, जो कि मित्र की गलती पर उसे रोके और सही राह पर उसका सहयोग दे। कथा के दौरान परीक्षित मोक्ष व भगवान सुखदेव की विदाई का वर्णन किया गया। भजनों पर भाव विभोर होकर श्रद्धालुओं ने नृत्य भी किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रोता मौजूद रहे।

युवक की पिटाई मामले में जांच में जुटी पुलिस

देवरिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक युवक को मोबाइल चोरी के संदेह में निर्दयता पूर्वक उसके निजी अंगों पर बेल्ट से क्रूरता से पीटा जा रहा है। वीडियो में पीड़ित सोने पर उल्टा लेटा नजर आ रहा है। उसके सिर पर एक व्यक्ति बैठा है, जबकि दूसरा आरोपी बेल्ट से पीड़ित के पिछले हिस्से पर लगातार प्रहार कर रहा है और अपने दूसरे हाथ से मोबाइल पर यह सब रिकॉर्ड भी कर रहा है। इसके अलावा, घटना को वहां मौजूद तीसरा साथी भी अपने मोबाइल से वीडियो बना रहा है। आरोपियों ने खुद इस वीडियो को सोशल मीडिया पर विभिन्न आईडी से साझा किया है।

जब यह वीडियो वायरल हुआ और सलेमपुर कोतवाली पुलिस के पास पहुंचा, तो पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। इसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित की गईं। अभी रात पुलिस ने वीडियो में बेल्ट से मारते हुए दिख रहे नगर के हरैया वार्ड के रोहित श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर पूछताछ में जुटी है। लेकिन अभी तक पीड़ित कोतवाली पुलिस को कोई तहरीर नहीं दिया है। जबकि पुलिस पीड़ित की तलाश में जुटी है। सीओ दीपक शुक्ला ने बताया कि रोहित एक ईंट भट्ठे पर मुनीम का काम करता है और मोबाइल चोरी के शक में यह पिटाई ईंट भट्ठे के कार्यालय में की गई। पीड़ित युवक गोरखपुर के चौरी–चौरा का निवासी है। उसे तहरीर देने के लिए बुलाया गया है, जिसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रोहित अभी पुलिस हिरासत में है।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के 94 पुण्यतिथि पर निकाली गई शहीद नमन यात्रा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

खुटेहना/बहराइच। अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद के 94वें पुण्यतिथि पर कांग्रेस सेवादल के निवर्तमान अध्यक्ष एवं दाण्डी यात्री इन्द्र कुमार यादव के संयोजन शहीद नमन यात्रा पचपेड़वा सरसा से स्वामी सत्य देवानंद जी के आश्रम गोण्डा बहराइच मार्ग खुटेहना तक निकाल कर चन्द्र शेखर आजाद जी अमर रहें, जब तक सूरज चाँद रहेगा आजाद जी का नाम रहेगा जैसे गगन भेदी नारों से नमन किया गया। इस दौरान देश व समाज में सुरसा की तरह मुंह फैला रही मंहगाई पर लोगों के बीच जाकर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने होली रमजान तथा शादी विवाह के अवसर पर बेतहाशा मूल्यवृद्धि पर अपनी दर्द बयां करते हुए जनहित में तत्काल अंकुश लगाने की पुरजोर तरीके से मांग रखी।

उक्त अवसर पर वरिष्ठ नेता विनय सिंह ने कहा कि अपनी अंतिम सांस तक अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ने वाले चन्द्र शेखर आजाद के शहादत पर सम्पूर्ण देश और समाज में आक्रोश तथा असन्तोष आग की तरह फैला था ; उन्होंने अंग्रेजों के अन्याय और अत्याचार के सामने झुकने से इंकार किया तथा देश की आजादी के लिए लाखों युवाओं को प्रेरित किया था ; जो आज भी करोड़ों युवाओं के प्रेरणास्रोत है। जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष रमेश चन्द्र मिश्र ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी और अमर बलिदानी वीर सपूत चंद्रशेखर आजाद कमर पर पिस्टल, कांधे पर जनेऊ तथा सदैव मूंछों पर ताव फेरने वाले टाइगर सदैव आजाद थे और आजाद रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक इन्द्र कुमार यादव ने कहा कि 27 फरवरी 1931 को देश की खातिर शहीद चन्द्र शेखर आजाद अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ साहस और बलिदान के मिसाल थे। ऐसे अमर क्रांतिकारी के सपनों का भारत बनाने के लिए हमें भी आजाद के नक्शे कदम पर चलने की जरूरत है। संचालन विपुल मिश्रा अध्यक्ष युवा कांग्रेस ने किया। उन्होंने युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अंकित तिवारी के पिता के निधन पर दो मिनट का शोक रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर एहसान वारिस, रामदीन गौतम, राम नरेश यादव, सत्येंद्र मोहन श्रीवास्तव, गिरधारी लाल तिवारी, अशोक मिश्रा, श्यामलाल यादव, शिवनाथ चौहान, अरविंद तिवारी, राम शकल शुक्ल, दक्षिणादीन अवस्थी, राजेन्द्र सिंह, नीरज कुमार सहित कई लोग शामिल रहे।

विश्व में महिलाओं की दूसरी बड़ी संख्या इनर व्हिल क्लब का कुशीनगर शाखा का गठन समारोह आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

कुशीनगर। कुशीनगर विश्व में महिलाओं की दूसरी सबसे बड़ी

संस्था इनर व्हील क्लब का कुशीनगर शाखा का गठन समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। आज शिवराम पैलेस में आयोजित गठन समारोह में सर्व सम्मति से अध्यक्ष श्रीमती मीनू जिंदल, उपाध्यक्ष डॉ. सुनीता पांडे तथा सचिव श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव को चुना गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शिवकुमारी देवी ने नए अध्यक्ष तथा सचिव को पुष्पगुच्छ देकर पदेन होने की बधाई दी तथा सभी सदस्यों को पुष्प देकर उनको क्लब में शामिल होने की बधाई दी। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा की आज की महिलाएं घर की चौखट से बाहर निकाल कर समाज सेवा के क्षेत्र में रोज नए–नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। मुझे इनर व्हील क्लब की स्थापना पर बहुत ही खुशी हो रही है। शाखा अध्यक्ष मीनू जिंदल ने नई जिम्मेदारी मिलने पर कहा कि इस बड़ी संस्था में अध्यक्ष के रूप में कार्य करना गौरव की बात है। मानव सेवा के लिए हर कदम पर नई ऊर्जा के साथ कार्य करते हुए सभी के सहयोग से इनर व्हील को एक अलग पहचान देने की कोशिश करूंगी। उपाध्यक्ष डॉक्टर सुनीता पांडे तथा सचिव रश्मि श्रीवास्तव ने कहा कि हम सभी सदस्यों के साथ मिलकर समाज सेवा कार्य में निरंतर अपनी उपस्थिति बनाए रखेंगे। समझ में सदस्य के रूप में रजनी खेतान रितु श्रीवास्तव श्रुति गोयल डॉ. शुभा सलूजा अनु अग्रवाल मनीषा बंका सरिता गुप्ता विनीत गुप्ता अंजना लोहिया वंदना शर्मा स्मृति तुलस्यान नीरू गोयल तथा नर्सरिया उपस्थित रहीं।

ईंट भट्टा श्रमिकों के शोषण व उत्पीड़न पर ध्यान दे प्रशासन : बृजेश चौहान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद के तमाम ईंट भट्ठों पर कार्य करने वाले

श्रमिकों को मूलभूत सुविधाएं मुहैय्या नहीं हो पा रही हैं जबकि सरकार इन श्रमिकों के लिये अनेकों योजनाएं चल रही हैं तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री इन योजनाओं को सीधे श्रमिकों तक पहुंचाने हेतु हर संभव प्रयास कर रहे हैं पर भट्ठा मालिकों और स्थानीय अधिकारियों के गठजोड़ से इन श्रमिकों की आवाज पूरी तरह दबा दी जाती है श्रमिकों की स्वास्थ्य आवास पेयजल शौचालय जैसे बुनियादी सुविधाओं से पूरी तरह वंचित रखा गया है कड़ाके के ठंडक में ये मजदूर खुले आसमान में पानी कीचड़ में काम करने के लिए बाध्य होते हैं गर्भवती धात्री महिलाओं आदि का भी कोई सुविधा नहीं मिलती यहां तक की श्रम विभाग में होने वाला श्रमिक पंजीयन से भी यह महरूम रहते हैं अधिकांश श्रमिक तो बंधुवा मजदूरों की तरह कुछ पैसे एडवांस लेते रहते हैं और उसके एवज में साल दर साल वहीं पर काम करने के लिए मजबूर होते हैं प्रशासन को इनकी समस्याओं से कोई लेना–देना नहीं होता है क्योंकि श्रमिक अपना हक भी मांगने की स्थिति में नहीं होते ऐसे में इन्हें सिर्फ भगवान का ही सहारा होता है। उक्त संदर्भ में ईंट भट्ठा भवन मजदूर कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष बृजेश चौहान ने एक लिखित विज्ञप्ति में बताया कि उपरोक्त समस्या का समाधान अगर शीघ्र नहीं कराया गया तो इसके लिए व्यापक जन आंदोलन खड़ा किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी स्थानीय जिला प्रशासन की होगी।

आर्य समाज व्यक्ति विरोधी नहीं बल्कि पाखंड विरोधी है : स्वामी ओमानंद

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। आर्य समाज बाहरी आडंबरों कुरीतियों और भ्रांतियों का विरोध करता है। हमारा उद्देश्य समाज में समानता

लाने छुआछूत का भाव मिटाने एकात्म ईश्वर की आराधना करने का है। ऋषि दयानंद ने इसी संदेश को व्यापक रूप से फैलाने के लिए आर्य समाज की स्थापना की थी। वेदों का पढ़ना पढ़ाना तथा वेदों के अनुकूल आचरण करना आर्य समाज हमारा संदेश है। आर्य समाज के वार्षिकोत्सव के प्रथम दिन आर्य समाज मंदिर परिसर में सत्संग करते हुए नोएडा से आए स्वामी ओमानंद परिव्राजक ने कहा कि आर्य समाज व्यक्ति विरोधी नहीं है बल्कि पाखंड का विरोधी है। भजनोपदेशिका गीता आर्य ने भजनों के माध्यम से आर्य समाज के संदेश और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए आह्वान किया की सभी लोग वेदों के बताए मार्ग पर चलें। इससे उनका मानव जीवन सार्थक हो सकेगा। बहराइच के आर्य विद्वान ठाकुर प्रसाद आर्य ने कहा कि आर्य का शाब्दिक अर्थ श्रेष्ठ होता है। कृण्वंतो विश्वम् आर्यम् का संदेश लेकर लोगों के बीच इसीलिए जाते हैं ताकि लोग आर्य बनकर अपना, अपने परिवार का व अपने समाज का जीवन सार्थक कर सकें। कार्यक्रम के संचालन में दिलीप आर्य, सुधांशु आर्य, रामदेव आर्य, श्रवण आर्य, सचिन कुमार, दिनेश आर्य, सतीश कुमार, रामपाल विद्या वाचस्पति, महेश कुमार, लक्ष्मी देवी, कुसुम देवी समेत अनेक लोगों का योगदान सराहनीय रहा।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ रूपईडीह नें 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। विभिन्न मांगों को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ रूपईडीह के द्वारा ब्लाक संसाधन केंद्र पर अध्यक्ष की अगुवाई में 11सूत्रीय ज्ञापन सौंपा कर समस्याओं के निराकरण कराने की मांग की शिक्षा क्षेत्र रूपईडीह में बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अवधेश कुमार तिवारी की अध्यक्षता में ब्लाक संसाधन केंद्र रूपईडीह पर शिक्षक समस्याओं को लेकर 11 सूत्रीय मांग पत्र खंड शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह को सौंपा। श्री त्रिपाठी ने बताया कि कार्यालय पर विभिन्न कार्यों को संपादित करने वाले कर्मचारियों के मध्य कार्य विभाजन होने के बाद भी जिम्मेदार लोगों के द्वारा कार्यों को पूरा नहीं किया जा रहा है, लम्बे समय से कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों की सेवा पंजिकाओं के अद्यतन सहित 11सूत्रीय समस्याओं के समाधान कराने की मांग को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया है जो आए दिन शिक्षकों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। जिस पर खंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया बैठक में मंत्री राजेश कुमार तिवारी, संयुक्त मंत्री विपिन शुक्ला, कोषाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय, उपाध्यक्ष उमाशंकर पांडेय, बृजेश शुक्ला, सुशील पाण्डेय, अजय तिवारी, राहुल तिवारी, विवेक पाठक, विनय पाठक, अर्चना शुक्ला, पूनम द्विवेदी, मोहित शुक्ला, सत्यव्रत शुक्ला, सिद्धार्थ शंकर तिवारी, अतुल वर्मा सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

स्काउटिंग से देशभक्ति और समाज सेवा की भावना विकसित होती है : डॉ बृजेश महादेव

नगवां सोनभद्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय चेरुई में तीन दिवसीय प्रथम सोपान स्काउट गाइड प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश, जनपद सोनभद्र के सौजन्य से मुकुल आनंद पाण्डेय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र के आदेशानुसार बृजेश कुमार सिंह खंड शिक्षा अधिकारी नगवा के संरक्षण में आयोजित तीन दिवसीय प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर उच्च प्राथमिक विद्यालय चेरुई में डॉ बृजेश कुमार सिंह महादेव-प्रधान स्काउट मास्टर नगवां शिक्षक पीएमश्री कम्पोजिट विद्यालय पलहारी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में कहा कि बृजेश महादेव ने कहा कि स्काउटिंग से देशभक्ति और समाज सेवा की भावना विकसित होती है। इससे आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ता है। शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। स्काउट गाइड के प्रशिक्षण में बच्चों को स्काउट गाइड प्रार्थना, झंडा गीत, नियम प्रतिज्ञा, स्काउटिंग इतिहास सिद्धांत, चिन्ह, सलामी, बाया हाथ मिलाना, स्काउटिंग वर्दी, राष्ट्रीय ध्वज, स्काउटिंग ध्वज, अनुशासन सेवा कार्य, बर्तन बिना बर्तन के भोजन बनाने, टेंट लगाने, छः प्रकार की गांठे बनाने एवं अन्य गतिविधियों को सीखाया गया। बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित चंद्रिका प्रसाद योगाचार्य ने कहा कि नगवां के दुरुह क्षेत्र में डॉक्टर बृजेश महादेव को मैं 2002 से देख रहा हूं आप बच्चों के लिए निरंतर नवाचार करते रहते हैं जो इस आदिवासी बच्चों के लिए बहुत ही लाभकारी है। मुझे भी 2003-04 में आपके द्वारा पलहारी में आयोजित राष्ट्रीय सद्भावना संवर्धन समारोह एवं बाल मेला में अध्ययन के दौरान प्रतिभाग करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था, वैसा अब तक कहीं नहीं मिला। प्रधानाध्यापक विनोद कुमार सिंह ने प्रशिक्षकों का धन्यवाद प्रकट करते हुए कहा कि स्काउटिंग शिक्षा जीवन के लिए बहुत उपयोगी है। विशिष्ट अतिथि भानु प्रताप सिंह एजुकेट गर्ल ने शिविर की सराहना की। समापन समारोह में बच्चों ने विविध प्रकार के गीतों की प्रस्तुति दी तथा आकर्षक नृत्य से सब का मन मोह लिया। सहयोगी प्रशिक्षक के रूप में रमेश कुमार स्काउट मास्टर यूनिट लीडर महात्मा गांधी स्काउट दल यूपीएस चेरुई ने बच्चों को आशीर्वचन दिया। सैयद अनवर हुसैन जिला स्काउट मास्टर सोनभद्र ने सभी को शुभकामनाएं दी और बताया कि यह प्रशिक्षण अनिवार्य बालचर योजना के अंतर्गत बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में कराया जा रहा है। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने कियाई0वी0एम0 व वी0वी0 पैट गोदाम का मासिक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित ई0वी0एम0 व वी0वी0 पैट गोदाम का मासिक निरीक्षण किये। इस दौरान गोदाम की सुरक्षा के साथ ही आवश्यक व्यवस्था का जायजा लिया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा मासिक व त्रैमासिक निरीक्षण किया जाता है, जिसकी रिपोर्ट भी मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजा जाता है। निरीक्षण के दौरान गोदाम में लगे सी0सी0टी0वी0 के माध्यम से बारी-बारी से ई0वी0एम0 व वी0वी0 पैट के कक्षों की स्थिति का जायजा लिया गया और सुरक्षा व्यवस्था में लगे सुरक्षा बलों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। इस दौरान उन्होंने कहा कि गोदाम परिसर के आस-पास के झाड़ियों का कटान कराने के साथ ही साफ-सफाई भी करा ली जाये। इस मौके पर सहायक निर्वाचन अधिकारी जगरूप सिंह पटेल, निर्वाचन कार्यालय के नरेन्द्र मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर आदिवासियों ने की बड़ा देव की पूजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल विधानसभा क्षेत्र के उम्मा गांव स्थित हेलीपैड के पास बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व पर आदिवासियों ने बड़ा देव की पूजा की। इस मौके पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की ओर से आदिवासी सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में लोग शामिल हुए सर्वप्रथम बड़ा देव पूजन के बाद मौके पर मौजूद गोंगपा कार्यकर्ताओं के साथ ही आदिवासियों को हल्दी, चावल से तिलक लगाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष रामाशंकर पोया ने कहा कि महाशिवरात्रि पर महाराज शंभु छल से विष मुद्रा/ बेहोशी में हो गए थे बाद में वे होश में हुए थे। विशिष्ट अतिथि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष रामनरेश पोया ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर बड़ा देव महाराज की पूजा आदिवासियों द्वारा लंबे अरसे से की जाती है। अतिविशिष्ट अतिथि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिला प्रवक्ता एडवोकेट संतोष कुमार ने कहा कि महाशिवरात्रि के अवसर पर आदिवासी सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। जिसमें आदिवासियों की विभिन्न समस्याओं पर विचार व्यक्त किया गया। साथ ही समस्याओं के समाधान के बारे में भी विधिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैलाश नेताम व संचालन राजेंद्र मरपची ने किया। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रचार मंत्री आरके अर्मो, रीनू भारतीय सदस्य महिला मोर्चा कार्यकारिणी ने भी अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जगरनाथ ओरकरे, रामनन्दन सिंह नेटी, रामराज गोंड, इशराज गोंड, रामकुमार नेताम, रामराज नेटी, राजेन्द्र टेकाम, शेरा सिंह आयाम, सेवालाल कोल, भगवान दास आदि मौजूद रहे।

यूनाइटेड जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की हुई वार्षिक बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। मान्यता प्राप्त पत्रकार जुहैल युसुफ के आवास यूनाइटेड जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश बहराइच की वार्षिक बैठक का आयोजन हुआ ; जिसमें जिले के वरिष्ठ पत्रकार निजामुद्दीन अख्तर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जुहैल युसुफ ने की ; जिन्होंने मुख्य अतिथि व अन्य उपस्थित पदाधिकारियों व पत्रकारों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस बैठक में पत्रकारिता की गरिमा, चुनौतियों और पत्रकारों के हितों पर विस्तार से चर्चा हुई एवं कार्यक्रम का संचालन तौहीद अहमद ने किया। बैठक में यूनाइटेड जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश बहराइच के नए पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई ; जिसमें जुहैल युसुफ को लगातार दसवीं बार जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया ; वहीं, बी0एस0 श्रीवास्तव, मिथुन बाल्मीकि (एडवोकेट), अंकुश त्रिपाठी को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। निजामुद्दीन अख्तर, उमाकांत शुक्ला, अजय त्रिपाठी को संरक्षक मनोनीत किया गया। मोहम्मद आरिफ (संगठन), नौशाद खान वारसी (प्रशासनिक कार्य) को जनरल सेक्रेटरी, तौहीद अहमद को सेक्रेटरी / मीडिया प्रभारी मनोनित किया गया। मोहम्मद आसिफ को खेलकूद मंत्री, आर0 के0 वर्मा को कोषाध्यक्ष, शाहिद सईद खान को सेक्रेटरी (प्रचार-प्रसार), सैय्यद शाद हुसैन (महा सचिव प्रचार प्रसार), जियाउल्लाह सिद्दीकी (वाइस प्रेसिडेंट) और संदीप श्रीवास्तव को लीगल एडवाइजर के रूप में मनोनित किया गया। बैठक के दौरान पत्रकारिता के मूल्यों और उसकी महत्ता पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण होती है और निष्पक्ष एवं सत्य आधारित खबरें देना हर पत्रकार का कर्तव्य है। साथ ही, पत्रकारों को आने वाली चुनौतियों के प्रति सतर्क रहने और अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर कार्य करने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में मोहम्मद आरिफ ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक की समाप्ति की घोषणा की।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का किया निरीक्षण, कैदियों को दी जा रही सुविधाओं की ली जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बृहस्पतिवार को जिला कारागार का निरीक्षण किये। इस दौरान जिलाधिकारी ने जिला कारागार के कैदियों से मिलकर उनसे वार्ता किया और उनको उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के बारे में बारी-बारी से जानकारी प्राप्त की। इस

दौरान उन्होंने कैदियों से सरलता व सुगमता पूर्वक वार्ता कर कारागार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही भोजन, नास्ता, स्वास्थ्य चिकित्सा,पीने के पानी आदि की गहनता पूर्वक जायजा लिया। जिलाधिकारी ने महिला कैदियों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली, उन्होंने कहा कि जो महिला कैदी काफी बुजुर्ग हैं, उनके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाये। उन्होंने जिला कारागार के हातों के बैरकों में बारी-बारी से स्वयं जाकर कैदियों की स्थिति को देखा और वार्ता कर उनके परिवारों को मिलने-जुलने में हो रही दिक्कतों के बारे में पूछा, तो कैदियों द्वारा बताया गया कि यहां इस प्रकार की कोई समस्या नहीं होती है। इस दौरान जिलाधिकारी ने जिला जेल के चिकित्सालय का निरीक्षण किये और चिकित्सकों से कैदियों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधा के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए रोजाना बैरक अस्पताल में चिकित्सकों के आने-जाने की स्थिति का जायजा लिया। जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक सौरभ श्रीवास्तव, प्रभारी जेलर शशांक पटेल, डिप्टी जेलर अखिलेश पाण्डेय, गंगा प्रसाद सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग रहेगा अग्रणी:बीएसए

दवा के साथ पौष्टिक आहार लेकर शीघ्र स्वस्थ रहे टीबी रोगी: डॉ. मुकेश यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

कसया/कुशीनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र कसया एवं फाजिलनगर के परिसर में गुरुवार को 75-75 कुल 150 टीबी रोगियों को बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों द्वारा प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली वितरित किया गया। अब तक का एक दिन में सर्वाधिक टीबी रोगियों को गोद दिलाने का रिकार्ड भी कायम हो गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राम जियावन मौर्य ने कहा कि जनपद को टीबी मुक्त बनाने के लिये आमजन का सहयोग जरूरी है।उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग अग्रणी भूमिका में रहेगा। सभी को क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम में सहयोग करने की जरूरत है। सामूहिक प्रयास से ही टीबी रोग को समाप्त कर सकते है। विशिष्ट अतिथि के रूप में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया के एमोटीसी डॉ मुकेश यादव ने कहा कि टीबी रोगी दवा के साथ पौष्टिक आहार लेने से मरीज शीघ्र स्वस्थ हो रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी विजयपाल नारायण त्रिपाठी ने कहा कि हम सभी के भागीदारी से ही जनपद टीबी मुक्त हो सकता है। उन्होंने ने कहा कि शिक्षक गण शिक्षण कार्य के साथ सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी भूमिका में रहते है। संचालन निशय मिश्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र तथा शिक्षक तारकेश्वर पाठक ने किया। अतिथियों का स्वागत ने किया शिक्षक नेता राजेश शुक्ला ने किया तथा आभार ज्ञापन भगवन्त कुमार सिंह ने किया। इस दौरान एसटीएस शाहिद अंसारी,आदित्य तिवारी,शिक्षक छेदी प्रसाद,वाहिद अली,ध्रुव नारायण सिंह,अविनाश शुक्ला, विद्यासागर पांडेय, कलमदानी सिंह,जैनुल आब्दीन अंसारी, अरुण कुमार वर्मा, मनोज कुमार सिंह,शैलेश कुमार,दयाशंकर सिंह,रामेश्वर सिंह,संजू सिंह,प्रतिमा सिंह, रणजीत सिंह,राकेश सिंह,उर्मिला उपाध्याय, फरहद अली,अखिलेश शर्मा, महेश प्रसाद रजक, महेन्द्र सिंह, बदरूज्जमा सिद्दीकी, दीपेश कुमार सिंह, निशांत कुमार पाण्डेय, अरुणेश कुमार मिश्र, नसरीन अख्तर, सुनीता सिंह, अनामिका शाही, रेनू पाण्डेय, अनिल कुमार द्विवेदी, रेनू सिंह,प्रियंका श्रीवास्तव, अन्नु मौर्या विनोद प्रसाद, धर्मेन्द्र कुमार सिंह अतीक अहमद, ब्रजनारायण प्रसाद गोंड, रवीन्द्र कुमार टैगोर, ध्रुव मोहन, हरिन्द्र कुमार चौरसिया, अनीता मिश्रा, रंजीता सिंह, प्रियंका पाण्डेय, मनोज कुमार चतुर्वेदी, रश्मि सिंह तोमर, गौरव मद्धेशिया, अम्बा प्रसाद, च्योटकान्त मिश्र, दिनेश यादव, रामचन्द्र सिंह, दुर्गेश सिंह, मुरलीधर पाण्डेय, रामप्रीत प्रताप सिंह, मीनी जायसवाल, सत्येन्द्र तिवारी, पुष्पा सिंह, सुभाष वर्मा, अशोक प्रताप सिंह, सरिता, अनीता साहनी, अजय कुमार जायसवाल, अशोक कुमार, सुशील शर्मा, राजकिशोर सिंह, मणि प्रभा, राजेश प्रजापति उपस्थित रहे।

पारस इंडिया संस्था द्वारा सिलाई मशीन व प्रमाण पत्र का निःशुल्क वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के पचपेड़वा ब्लॉक में पारस इंडिया संस्था, नई दिल्ली और उषा इंटरनेशनल लिमिटेड के द्वारा 15 ग्रामीण महिला विशेष रूप से थारू जनजाति के लिए सिलाई कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पिछले 19 फरवरी से किया जा रहा था जो आज सफलतापूर्वक संपन्न हो गया, प्रशिक्षण के अंतिम दिन ट्रेनर द्वारा महिला को उन्नत किस्म के बैग बनाने, गोट लगाने, दो कपड़ो को जोड़ने के विभिन्न तरीके, रफू करना, काज बनाने, बटन टॉकने इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया। आज प्रशिक्षण प्राप्त करनेवाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए संस्था के निदेशक अरविन्द कुमार सिंह आए और महिलाओं को प्रोत्साहित किया उन्होंने बताया कि आप सभी ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को अपने सिलाई स्कूल से जोड़े और उन्हें सिलाई सीखा कर पैसे कमाए, आप पास के लोगों का कपड़े सिले, बाजार में जाकर सिलाई का काम आर्डर पर लाए और सिलाई करके पैसा कमाए आप अपने गाँव में स्वयं सहायता समूह का भी निर्माण करें, साथ ही कहा कि संस्था देश के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित हो रही सिलाई स्कूल से हजारों महिलाएं प्रशिक्षित होकर आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनी है और अपना स्व-रोजगार कर रही है। महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना ही संस्था का प्रमुख उद्देश्यों में से एक है और सिलाई स्कूल इस उद्देश्य को पूरा करने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। संस्था के समन्वयक मनीष कुमार ने बताया कि बलरामपुर भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा एक आकांक्षी जिले के रूप में चयनित है जिस कारण यहां के लोग दूसरे जिले के मुकाबले मूलभूत सुविधाएं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका को पाने के लिए अत्यधिक संघर्ष कर रहे हैं, जिस कारण विशेषरूप से महिला और थारू जनजाति अत्यधिक प्रभावित हो रही है, संस्था इन्हीं सारी बातों को ध्यान में रखते और महिला आजीविका को बढ़ाने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पारस इंडिया संस्था एक राष्ट्रीय स्तर की गैर सरकारी संस्था है जो विभिन्न सामाजिक मुद्दे जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, जागरूकता, आजीविका व कौशल विकास, जेंडर, कैरियर काउंसलिंग और आपदा प्रबंधन जैसे विषय पर कार्य कर जरूरतमंद लोगों को शिक्षित, जागरूक, सशक्त और आत्मनिर्भर बना कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास पिछले कई वर्षों से कर रही है। कार्यक्रम के अंत में संस्था के निदेशक व अन्य गणमान्य लोगों के द्वारा सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिला को एक सिलाई मशीन, प्रमाण पत्र, प्रशिक्षण पुस्तिका और अन्य उपकरण किट वितरण किया गया।

आजाद थे आजाद हैं आजाद रहेंगे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर गुरुवार को सुबह तिरंगा झंडा रोहण राष्ट्र गान व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ आयोजन के अध्यक्ष रामयश त्रिपाठी ने उनके स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण दीपदान कर विधिवत आगाज किया। वाणी वंदना करते हुए दिवाकर द्विवेदी मेघ ने मां तू आओगी हमें विश्वास है,तेरी दया हो जाये तो तम नाश है सुनाया। संस्था प्रमुख प्रद्युम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने तिरंगा तुझे हम कभी झुकने नहीं देंगे मिट जायेंगे खुद तुझे मिटने नहीं देंगे जिनके खून से जल रहे चिराग ए वतन है उनकी कसम शमां बुझने नहीं देंगे सुनाकर राष्ट्र वंदना किया।सफल संचालन अशोक तिवारी एडवोकेट ने किया जिसमें दिलीप सिंह दीपक जै राम सोनी दयानंद दयालु प्रभात सिंह चंदेल धर्मेश चौहान एडवोकेट सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम शिवदास कवि रामनरेश पाल अनमोल मणि त्रिपाठी ने एक से बढ़कर एक वीर रस हास्य व्यंग ओज की रचना सवैया छंद गीत गजल नज्म मुक्तक सुनाकर पूरे आयोजन में चार चांद लगा दिए इस अवसर पर फारुख अली हाशमी रश्मि त्रिपाठी पुरुषोत्तम कुशवाहा संगीता तिवारी प्रधान, शिक्षा आशा बृजकिशोर देव पाण्डेय बलिराम गनेश ठाकुर कुशवाहा त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी आदि रहे।अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद अमर रहे जयघोष के साथ आयोजन स्थगित किया गया जिसमें अध्यक्षता कर रहे रामयश त्रिपाठी ने आजाद के त्याग बलिदान पर सारगर्भित वक्तव्य पढ़ा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

अब तेलुगु में भी गूंजेगी छावा की दहाड़, गीता आर्ट्स के कंधे पर फिल्म के वितरण का भार

विक्की कौशल की फिल्म छावा ने सिनेमाघरों में धूम मचा रखी है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। अब यह ब्लॉकबस्टर फिल्म तेलुगु में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फैसला दर्शकों की भारी मांग को देखते हुए लिया गया है। फिल्म की रिलीज के बाद से ही इसे तेलुगु में रिलीज करने की मांग लगातार बढ़ रही है।

तेलुगु में इस फिल्म का वितरण टॉलीवुड का टॉप प्रोडक्शन हाउस गीता आर्ट्स करेगा। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में फिल्म का वितरण किया जाएगा। इसका प्रीमियर 7 मार्च 2025 से आंध्र प्रदेश के सिनेमाघरों में होगा। जीए 2 पिक्चर्स के नाम 300 से ज्यादा तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी फिल्मों के वितरण का रिकॉर्ड है, जो अब छावा के साथ अपनी विरासत को आगे बढ़ाएगी।

छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म छावा सिनेमाघरों में छाई हुई है। फिल्म ने 31 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की और पहले वीकएंड पर 48.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। दूसरे वीकएंड पर फिल्म ने 40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अपने शानदार कलेक्शन की बदौलत फिल्म ने 375.65 करोड़ रुपये का अब तक कलेक्शन किया है।

दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित और लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित छावा में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। रश्मिका मंदाना येसुबाई भोसले की भूमिका में, अक्षय खन्ना औरंगजेब की भूमिका में, डायना पेंटी जीनत–उन–निसा बेगम की भूमिका में, आशुतोष राणा हम्बीराव मोहिते की भूमिका में और दिव्या दत्ता सोयराबाई की भूमिका में हैं। अब यह फिल्म तेलुगु भाषा में रिलीज होगी, जो इसके लिए एक नई सफलता साबित हो सकती है।

रैपर किंग की बहन बनने को तैयार पलक तिवारी, वेब सीरीज के लिए मिलाया हाथ

श्वेता तिवारी की बेटी और अभिनेत्री पलक तिवारी ने साल 2021 में आई वेब सीरीज रोजीः द सैफरन चैप्टर के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान (2023) में नजर आई थीं। अब पलक ने पहली बार रैपर किंग से हाथ मिलाया है। दोनों जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे। इसके साथ पलक और किंग के किरदार से भी पर्दा उठ गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार

रैपर किंग और पलक जल्द ही एक दिलचस्प वेब सीरीज में नजर आएंगे। खास बात यह है कि इसमें किंग एक प्रेमी की भूमिका नहीं, बल्कि पलक के भाई के किरदार में दिखाई देंगे। यह सीरीज 9 भागों में रिलीज होगी। फिलहाल, अभी तक इस सीरीज को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बता दें कि किंग को घुमशुदा, तू आके देखले, कप्स और मान मेरी जान के लिए जाना जाता है। पलक के पास संजय दत्त की फिल्म द भूतनी भी है। फिल्म में उनकी जोड़ी सनी सिंह के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। इसमें मौनी रॉय भी मुख्य भूमिका में होंगी। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। सिद्धांत सचदेव इस फिल्म के निर्देशक हैं। संजय ने इस फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट के साथ किया है। संजय की पत्नी मानयता दत्त फिल्म की सह–निर्माता हैं।

द भूतनी का दमदार टीजर रिलीज, हॉरर–कॉमेडी में संजय दत्त, पलक तिवारी और मौनी रॉय का अवतार देख चौंके फैंस

महाशिवरात्रि के मौके पर बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने अपने फैंस को तोहफा दिया है. एक्टर ने अपनी आगामी फिल्म द भूतनी का दमदार टीजर जारी किया है. इस फिल्म में संजय दत्त के साथ मौनी रॉय, पलक तिवारी, सनी सिंह और आसिफ खान भी अहम भूमिका में हैं. संजय दत्त ने

अपने इंस्टाग्राम द भूतनी का टीजर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, इस गुड फ्राइडे, डर को एक नई तारीख मिल गई है– शुक्रवार 18वां. पहले कभी न देखी गई हॉरर, एक्शन और कॉमेडी के लिए तैयार हो जाइए. भूतनी मचाएगी तांडव 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में. टीजर की शुरुआत में, मुन्ना भाई एक्टर को भगवद गीता की कुछ पंक्तियां पढ़ते हुए सुना जा सकता है. इसके अलावा टीजर के बैकग्राउंड में भद्रकाली के मंत्रोच्चारण और शिव तांडव की भी धुन सुनने को मिलती है. टीजर में श्वेता सिंह की बेटी पलक तिवारी और मौनी रॉय को बुरे अवतार में दिखाया गया है, जबकि संजय दत्त भूत भगाने वाले की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं. टीजर में हॉरर और रोमांस दोनों की झलक दिखाई गई है. टीजर के एक सीन में सनी सिंह भूतनी से अपने प्यार को वापस करने की विनती करते नजर आए. फैंस अब इस हॉरर कॉमेडी के सिनेमाघरों में आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. भूतनी का निर्माण दीपक मुकुट और संजय दत्त ने मिलकर किया है और हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने को–प्रोड्यूस किया है, जबकि सिद्धांत सचदेव ने इसे डायरेक्ट किया है. फिलहाल, भूतनी 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है.

अजित कुमार की फिल्म गुड बैड अग्ली की टीजर रिलीज डेट आउट, 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अजित कुमार की आने वाली फिल्म गुड बैड अग्ली का बहुप्रतीक्षित टीजर प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा करते हुए रिलीज होने के लिए तैयार है। हाल ही में 28 जनवरी को त्रिशा के लुक और किरदार का नाम सामने आया था। यह घोषणा फिल्म के निर्माताओं द्वारा एक प्रोमो वीडियो जारी करने के बाद आई है जिसमें फिल्म की मुख्य महिला कलाकार के बारे में बताया गया है जिससे फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। गुड बैड अग्ली निर्देशक आदिक रविचंद्रन के साथ अजित कुमार की पहली फिल्म है और यह साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। गुड बैड अग्ली में अर्जुन दास शाइन, टॉम चाको, केजीएफ फेम बीएस अविनाश, प्रभु प्रसन्ना, राहुल देव, योगी बाबू और सुनील जैसे प्रभावशाली कलाकार हैं। फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स के नवीन यरनेनी और वाई रविशंकर ने किया है इतने प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, गुड बैड अग्ली से काफी उम्मीदें हैं, जो 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

टीजर रिलीज की तारीख और कलाकारों की जानकारी सामने आ गई है, लेकिन गुड बैड अग्ली की कहानी अभी भी गुप्त रखी गई है। फिल्म के निर्माताओं ने कहानी को गुप्त रखा है, जिससे प्रशंसकों के बीच उत्सुकता और उत्साह बढ़ गया है। 28 फरवरी को टीजर रिलीज होने के साथ ही प्रशंसकों को आखिरकार गुड बैड अग्ली की दुनिया की एक झलक मिल जाएगी।

गुड बैड अग्ली इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है और टीजर रिलीज की तारीख की घोषणा ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। अपने स्टार कास्ट, प्रतिभाशाली क्रू और दिलचस्प कथानक के साथ गुड बैड अग्ली के ब्लॉकबस्टर हिट होने की उम्मीद है। प्रशंसक 28 फरवरी को टीजर रिलीज और 10 अप्रैल को फिल्म रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गुलाब की पंखुडियों से करें स्किन केयर, चेहरे पर आए निखार को देख सहेलियां पूछेंगी राज

चेहरे पर नूर लाने के लिए लोग तमाम उपाय करते हैं. हेल्दी खानपान से लेकर स्किन केयर को लाइफ का हिस्सा बनाते हैं. यूं तो मार्केट में स्किन ब्राइटनिंग और ग्लोइंग बनाने के लिए तमाम ब्यूटी प्रोडक्ट मौजूद हैं. लेकिन इनकी कीमत ज्यादा होने की वजह से कई लोग इसे नहीं खरीद पाते हैं. ऐसे में आप घर भी कुछ आसान से उपाय अपनाकर चेहरे पर निखार ला सकती हैं. इसके लिए आप गुलाब के फूल की पंखुड़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं. गुलाब न केवल देखने में सुंदर लगता है बल्कि इसकी खुशबू भी लोगों को बहुत पसंद आती है. लेकिन क्या आपको पता है इसको आप स्किन केयर का हिस्सा भी बना सकती हैं. गुलाब की पंखुड़ियों से आप फेस पैक, स्क्रब और फेस मिस्ट बना सकती हैं. आइए जानते हैं इसे तैयार करने का आसान तरीका.

गुलाब की पंखुड़ियों से कैसे बनाएं फेस पैक? (क्रशाह्यद्ग रचद्गह्लड्डद्य द्दद्धड्डद्ग रचड्डद्दद्ग)

चेहरे पर नेचुरली ब्राइटनिंग लाने के लिए आप गुलाब की पंखुड़ियों से फेस पैक बना सकती हैं.

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत: मुट्ठी भर ताजी गुलाब की पंखुड़ियां, एक चम्मच दही, एक चम्मच शहद

फेस पैक बनाने का आसान तरीका: फेस पैक बनाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियों को पीसकर पेस्ट बना लें.

इसमें दही व शहद डालकर मिक्स करें. स्किन अगर ऑयली है तो दही की जगह बेसन का इस्तेमाल करें. अब अपनी स्किन को साफ करके इस मास्क को लगाएं. इसे 15 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर पानी से धो लें.

गुलाब की पंखुड़ियों व चीनी से बनाएं स्क्रब: चेहरे से डेड स्किन को हटाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियों और चीनी से आप स्क्रब तैयार कर सकती हैं.

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत: मुट्ठी भर गुलाब की पंखुड़ियां, एक चम्मच चीनी, एक चम्मच नारियल तेल

घर पर स्क्रब कैसे बनाएं?: गुलाब की पंखुड़ियों को कुचल लें. इसमें चीनी और नारियल तेल डालकर मिक्स करें. स्क्रब तैयार है. इसे हल्के हाथों से मसाज करें. लास्ट में पानी की मदद से स्किन को क्लीन करें.

गुलाब की पंखुड़ियों का फेस मिस्ट: चेहरे को ब्राइट और ग्लोइंग बनाने के लिए आप घर पर केमिकल फ्री फेस मिस्ट भी तैयार कर सकती हैं.

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत: पानी और मुट्ठी भर गुलाब की पंखुड़ियां

फेस मिस्ट बनाने का आसान तरीका: ताजी गुलाब की पंखुड़ियां लें. पानी में तब तक उबालें जब तक उनका रंग न निकल जाए. पानी को छानकर स्प्रे बोतल में भर लें.